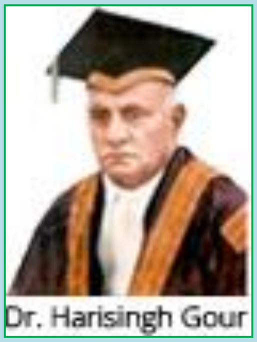
Dr. Harisingh Gour

न्यूजलेटर

मई 2024

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

संरक्षक
प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर
विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

सहयोग एवं परामर्श
डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय
कुलसचिव (प्र.)

संपादक
डॉ. विवेक जायसवाल
जनसंपर्क अधिकारी (प्र.)

संपादक सदस्य
डॉ. हेमंत पाटीदार
डॉ. आशुतोष
डॉ. शालिनी चोइथरानी
डॉ. संजय शर्मा
माधव चंद्रा

मजदूर के श्रम से ही संभव है राष्ट्र की समृद्धि और श्रेष्ठता - प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के तत्त्वावधान में अभिमंच सभागार में व्याख्यान

कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो. पी. एस. काम्बले ने दिया. अयोजन सचिव डॉ. वीरेंद्र मटसेनिया ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमें देश के आर्थिक विकास के लिए मजदूरों की जितनी हो सके सराहना करनी चाहिए तभी हम भारत जैसे विशाल देश की आधारभूत संरचना में मजदूरों के योगदान को समझ पाएंगे. आज हमें उनकी प्रासंगिकता को याद कर उनके लिए विशेष कार्य करने की आवश्यकता है तभी वे अपना खुशहाल जीवन जी सकेंगे.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में आज हम जिस अभिमंच सभागार में कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं उसकी नींव भी मजदूरों द्वारा ही रखी गई है. हम इस दिवस को मेहनतकश मजदूरों के योगदान के रूप में मना रहे हैं. हम मजदूरों के योगदान को देखते हुए उन्हें मजदूर और मजबूर नहीं कह सकते क्योंकि उनका राष्ट्र निर्माण में बहुत ही अभिन्न योगदान है. देश और दुनिया में जितना भी आधारभूत संरचनाओं का विकास हुआ है उसमें मजदूरों का ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है. किसी भी श्रेष्ठ राष्ट्र के सौन्दर्य की नींव में मजदूरों का श्रम ही है. देश के विकास की नींव मजदूरों के कधों पर ही टिकी है. इसलिए मजदूरों के कल्याण हेतु हम सबको संयुक्त रूप से प्रयास करना होगा तभी हम उनके योगदान की सार्थकता को प्रमाणित करने में सफल हो सकेंगे. मजदूर का श्रम ही राष्ट्र की समृद्धि और श्रेष्ठता का आधार है.

मुख्य वक्ता एडवोकेट राजू प्रजापति ने मजदूरों के लिए बनाए गए कानूनों को विस्तार से समझाया और कहा यदि सभी संस्थाएं कानूनों का ठीक से पालन करें तो वह दिन दूर नहीं जब मजदूर भी अपना जीवन बेहतर ढंग से जी सकेंगे. मजदूरों में

शिक्षा एवं जागरूकता का अभाव होता है इसलिए वे कानून को ठीक ढंग से क्रियान्वित नहीं करा पाते हैं इसलिए नियोक्ता द्वारा उनका हमेशा ही शोषण किया जाता है. आज सभ्य समाज को जरूरत है कि वह मजदूरों के महत्व को समझें और उनके योगदान को राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में अपना योगदान प्रदान करें.

प्रो. चंदा बैन ने कहा कि मजदूर वर्ग को कमजोर और लाचार न समझा जाए. हमें सब को उनके श्रम से ही बेहतर जीवन उपलब्ध हो पा रहा है. यदि हम अपने जीवन से श्रमिकों के योगदान को निकाल दें तो हमारे जीवन भी निरर्थक हो जायेगा. हमें मजदूरों को दया का पात्र नहीं समझना है. समाज में उनकी सार्थकता कैसे स्थापित हो इसके लिए हम सबको कार्य करना है. देश की उन्नति में मजदूरों का सबसे बड़ा योगदान होता है इसलिए हमें उनके हक अधिकारों को दिलाने के लिए कार्य करना होगा. यह समाज के प्रत्येक जागरूक व्यक्ति का कर्तव्य भी है.

प्रो. उत्सव आनंद ने कहा कि हमें महिलाओं के योगदान पर विशेष शोध करने की आवश्यकता है, क्योंकि मजदूरों में भी महिलाओं की स्थिति और भी खराब दिखाई देती है. उनके उत्थान की विशेष जरुरत है.

कार्यक्रम का संचालन संयोजिका डॉ वीणा थावरे द्वारा किया गया. आभार ज्ञापन डॉ वीरेन्द्र सिंह मटसेनिया ने किया. कार्यक्रम में प्रो. जी. एम. दुबे, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. आर. वी. एम. रेड्डी, डॉ. आशुतोष, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ अरविंद गौतम, डॉ. वसीम अनवर सहित विभाग के सभी शोधार्थी एवं विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षा के विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी की.

कुलपति ने निर्माणाधीन परिसर पहुँच श्रमिकों को दी बधाई, मिष्ठान्न एवं फल वितरित किया

व्याख्यान कार्यक्रम के उपरान्त कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के पथरिया परिसर में निर्माणाधीन स्थल पर पहुँचकर मजदूरों एवं उनके परिवारों को श्रमिक दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. उन्होंने उनके श्रम के लिए सराहना की. उन्होंने उपस्थित सभी श्रमिकों एवं उनके पारिवारिक सदस्यों का कुशलक्षेम पूछा तथा उन्हें मिष्ठान्न एवं फल वितरित किया. इस अवसर पर प्रो. डी. के. नेमा, प्रभारी कुलसचिव एस.पी. उपाध्याय, प्रभारी मुख्य यंत्री राहुल गिरी, सुहैल कुरैशी, डॉ. आशुतोष, सीपीडब्ल्यूडी के अभियंता एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

लोकतंत्र के समर्थ ध्वजवाहक हैं छात्र - प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह विश्वविद्यालय, सागर एवं जिला प्रशासन सागर के संयुक्त तत्त्वावधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित किया गया. कार्यक्रम

में अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर दीपक आर्य, जिला पंचायत सीईओ पीसी शर्मा, अपर कलेक्टर अदिति यादव, उप जिला मजिस्ट्रेट भव्या त्रिपाठी, विजय डहेरिया, स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. अमर जैन उपस्थित थे. देवी सरस्वती एवं डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ.

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि मतदान एक लोकतांत्रिक अधिकार है जिसके प्रयोग से हम अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के साथ-साथ एक लोकतांत्रिक समाज और देश के निर्माण के साथ ही एक लोकतांत्रिक चेतना के निर्माण के प्रति आश्वस्त हो सकते हैं. सभी नवनिर्वाचित छात्र-प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब अपनी मेधा के आधार पर चयनित हुए हैं और आठ हजार विद्यार्थियों के प्रतिनिधि के रूप में होने के कारण लोकतंत्र को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है.

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आमतौर पर भारतीय समाज का हर नागरिक चुनावी चर्चा में भाग लेता है. चुनावी चर्चा में दिलचस्पी यह बताती है कि नागरिक अपने देश, समाज और नेतृत्व के प्रति जागरूक है. लेकिन साथ ही हर नागरिक की एक विशेष जिम्मेदारी भी है कि वह मतदान के अधिकार का पूरा उपयोग करे. हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हम सभी सौ प्रतिशत मतदान के

लिए अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करें और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करें. वर्तमान में हो रहे चुनावों में कम मतदान पर चिंतन आवश्यक है. उन्होंने छात्र प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र लोकतंत्र के सच्चे ध्वजवाहक हैं. सभी छात्र प्रतिनिधि लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में भी अपना उत्तरदायित्व निभाएं और छात्र समुदाय, परिवार

और समाज में मतदान करने के लिए लोगों को प्रेरित करें. आगामी चुनाव की तारीख सात मई को ध्यान में रखये हुए मिशन मोड में लोगों तक सन्देश पहुंचाएं. इस कार्य में जिला भी संलग्न है जिनका सहयोग लगातार मिल रहा है. कुलपति ने उपस्थित सभी लोगों को मतदाता शपथ भी दिलाई.

जिला पंचायत सीईओ पीसी शर्मा ने विश्वविद्यालय छात्र प्रतिनिधियों से अपील की कि मतदान के लिए लोगों को प्रेरित करें जिससे मतदान प्रतिशत में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ लोकतंत्र के पर्व में नागरिक समाज की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी भी सुनिश्चित हो. कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. आभार सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने ज्ञापित किया.

गुइंयाँ चलो छैयां-छैयां चुनाव करूँ............

विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने दी मतदान केन्द्रित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

सागर शहर के कई विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मतदान केन्द्रित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं. शैलेश मेमोरियल स्कूल की छात्राओं ने चलो मतदान करेंगे गीत पर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी. कन्या महाविद्यालय ने लोकगीत की धुन पर मतदान गीत गुइंयाँ चलो छैयां-छैयां चुनाव करूँ पर आकर्षक प्रस्तुति दी. सीएम राइज स्कूल की छात्राओं ने गीत सागर सारा, जनमानस ने ठाना है, है मतदान

अधिकार हमारा, जन-जन को समझाना है पर नृत्य की प्रस्तुति दी. विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सीईओ पीसी शर्मा द्वारा रचित गीत जय मतदाता, जय-जय मतदाता गीत पर नृत्य प्रस्तुति दी. जिला कलेक्टर दीपक आर्य एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं के समूह को पुरस्कृत किया.

योग शिक्षा विभाग द्वारा शहर में योग शिविरों का आयोजन

योग शिक्षा विभाग, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा आगामी दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारियों के तहत सागर शहर में विभिन्न स्थानों पर दस दिवसीय योग शिविरों का आयोजन प्रारंभ कर दिया है. उक्त जानकारी देते हुए योग शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. भवतोष इंद्र गुरू ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं निर्देशन में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बृहद स्तर पर मनाने की तैयारियाँ भी प्रारंभ कर दी गई हैं. इस तारतम्य में विश्वविद्यालय के बालक एवं बालिका छात्रावासों के अतिरिक्त जिला अस्पताल तिली, केंद्रीय विद्यालय 1, 2 व 4, गुरुकुल शिशु मंदिर मकरोनिया, आर्मी पब्लिक स्कूल, केन्द्रीय जेल में पुरूष एवं महिला बंदियों के लिये दो शिविर, कबीर वाटिका मकरोनिया, संस्कृत पाठशाला धर्मश्री, एजु हील एकेडेमी, मदर टेरेसा इंग्लिश मिडियम स्कूल रिमझिरिया, संजीवनी अनाथालय व चन्द्रा पार्क सिविल लाइन्स में दस दिवसीय योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है.

ज्ञातव्य है कि भारत की पहल पर पूरे विश्व में 21 जून को प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है और इस संदर्भ में आयुष मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने के उद्देश्य से 21 जून से 100 दिवस पूर्व विभिन्न आयोजनों की श्रृंखला शुरू कर दी जाती है. इसी के तहत योग शिक्षा विभाग भी विभिन्न आयोजनों

की रूपरेखा बना चुका है और प्रथम चरण में सागर के विभिन्न स्थानों में दस दिन के प्रशिक्षण शिविर लगाए जा रहे हैं. ये शिविर विभागीय शिक्षकों डॉ. अरूण साव, डॉ. नितिन, डॉ. ब्रजेश ठाकुर एवं सुश्री प्रज्ञा साव के निर्देशन में विभागीय विद्यार्थीयों के द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं. जिनमें योग की आधार-भूत जानकारी सहित आसन, प्राणायाम, बंध, मुद्रा, शुद्धि क्रिया, ध्यान, प्रार्थना, सूर्य नमस्कार, प्रज्ञा योग, योग प्रोटोकाल सहित सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास कराया जा रहा है. ये शिविर प्रातः 06:00 से 09:00 बजे के बीच चल रहे हैं.

प्रो. गुरू ने बताया कि योग शिक्षा विभाग द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विश्वविद्यालय में प्रातःकाल मनाया जायेगा. योग भारतीय जीवन परम्परा का अमूल्य धरोहर है. इस चिर पुरातन संस्कृति को हमने भूला-बिसरा दिया है. जिसके कारण हम अनेक मनोकायिक जीवन शैली रोगो से ग्रसित हुए है. अगर इन सभी प्रकार के शारीरिक मानसिक रोगों से बचना है और सुख, शांति और समन्वय को प्राप्त करना है तो योगिक जीवन शैली को पुनः अपने दिनचर्या में सम्मिलित कर अपनाना पड़ेगा. भारत सरकार की पहलस्वरूप इस विद्या से अधिक से अधिक व्यक्ति लाभान्वित हो इसके लिये सागर शहर में आयोजित योग शिविरों में सुविधानुसार भाग लेने की अपील किया है. आम नागरिक इस संदर्भ में योग विभाग व योग एवं ध्यान केन्द्र में प्रातःकाल 06:00 से 08:00 बजे तक प्रायोगिक अभ्यास शिविर में भी भाग ले सकते हैं.

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एनसीसी के मानद 'कर्नल कमांडेंट' रैंक से विभूषित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. को एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एनसीसी के मानद 'कर्नल कमांडेंट' रैंक से विभूषित किया गया है. भारत सरकार द्वारा दिनांक 13 अप्रैल 2024 को प्रकाशित गजट में देश भर के 19 कुलपतियों को मानद कर्नल रैंक प्रदान किये जाने की घोषणा की गई है जिसमें मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ जोन से कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को यह रैंक प्रदान किया गया है. कुलपति पद के कार्यकाल तक विश्वविद्यालय में कर्नल कमांडेंट पद के रूप में उनकी नियुक्ति भी की गई है. अन्य कुलपतियों में जेएनयू की कुलपति प्रो. शांतिश्री धुलीपुड़ी पंडित तथा महाराजा सायाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के कुलपति प्रो.

वी. के. श्रीवास्तव भी शामिल हैं. समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है.

गौरतलब है कि वर्ष 2024 में देश भर में शिक्षा के क्षेत्र की 50 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में उनका नाम शामिल हुआ है. देश की प्रख्यात प्राणिशास्त्रवेत्ता प्रो. गुप्ता को जंतु विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय से पहले वह तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, मुंगेर विश्वविद्यालय (अतिरिक्त प्रभार), छत्रपति साहूजी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय की कुलपति रह चुकी हैं. वे कई समितियों और बोर्डों का भी हिस्सा रही हैं, जिनमें योजना और निगरानी बोर्ड, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी में विजिटर द्वारा नामित सदस्य, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद सदस्य, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा की बोर्ड ऑफ गवर्नर्स आदि हैं.

प्राणिविज्ञान, जलीय विष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, इम्यूनोलॉजी में विशेषज्ञता के साथ उनकी 8 पुस्तकें, 36 पुस्तक अध्याय और 200 शोध पत्र प्रकाशित हैं. भारत सरकार द्वारा जन्तु वर्गीकरण के लिए प्रतिष्ठित 'ई.के. जानकी अम्मल राष्ट्रीय पुरस्कार' उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा का सर्वोच्च 'सरस्वती सम्मान'तथा विज्ञान का 'विज्ञान रत्न' सहित उन्हें कई सम्मान एवं पुरस्कार मिले हैं.

उनके गतिशील नेतृत्व में, विश्वविद्यालय ने कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं जैसे विश्वविद्यालय को NAAC द्वारा A+ से मान्यता, कई समझौता ज्ञापनों (कामधेनु पीठ, एस व्यासा, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, पैलियोएथनोलॉजी रिसर्च सेंटर, मॉस्को, महार रेजिमेंट) पर हस्ताक्षर हुए. इंजीनियरिंग में नए पाठ्यक्रम, पर्यावरण विज्ञान, वैदिक अध्ययन, आईटीईपी, होटल प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल और अस्पताल प्रबंधन, यात्रा और पर्यटन प्रबंधन जैसे पाठ्यक्रमों ही शुरुआत के साथ-साथ उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिसर ने अपने विशाल परिसर में फैली नई इमारतों के साथ एक नया रूप ग्रहण किया. विश्वविद्यालय को अभी हाल ही में एपीएआर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शिक्षा मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया था. शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को 'उत्कृष्टता के रास्ते' कार्यक्रम के तहत दूरदर्शन नई दिल्ली पर प्रदर्शित भी किया गया है.

वर्ल्ड लॉफ्टर डे पर विद्यार्थियों ने दी हास्य प्रस्तुति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के हैप्पीनेस सेंटर और सांस्कृतिक परिषद के तत्त्वावधान में वर्ल्ड लॉफ्टर डे के अवसर पर

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी. नाट्यकला विभाग परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में हास्य कविताएं सुनाई. शोध छात्र राघवेंद्र ने बुंदेली हास्य कविता का पाठ किया जिस पर खूब ठहाके लगे. हिमांश करारे, गोलू कुशवाहा, विधान चौबे, गार्गी दुबे, अनुराग यादव, आयुर्मान श्रीवास्तव ने कई

तरह संगीतमयी प्रस्तुतियां दीं. आर्केस्ट्रा में विभिन्न वाद्यों के संचालन में अतुल पथरोल, संजय कोरी, विधान चौबे, सुमित, बालमुकुंद आदि ने सहयोग किया. कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. राकेश सोनी ने किया. इस अवसर पर डॉ. आशुतोष, डॉ. विवेक जायसवाल, सुप्रसिद्ध कलाकार सचिन नायक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे.

कुलाधिपति की राजस्थान के राज्यपाल श्री कलराज मिश्र से सौजन्य भेंट

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र से गुरूवार को राजभवन में डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश) के कुलाधिपति एवं भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व वरिष्ठ सेवानिवृत अधिकारी कन्हैयालाल बेरवाल ने राजस्थान के राज्यपाल श्री

कलराज मिश्र से राजभवन में सौजन्य भेंट की. श्री बेरवाल ने भेंट के दौरान उन्हें मध्यप्रदेश के प्रथम केंद्रीय विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में किये गए क्रियान्वयन एवं शैक्षिक गुणवत्ता के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी. इस अवसर पर श्री भूपेन्द्र बेरवाल एडवोकेट राज. उच्च न्यायालय, जयपुर एवं निदेशक उत्कर्ष ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूशन, बाँसवाड़ा भी उपस्थित थे. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सन्दर्भ में चर्चा करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि देश में बहुत ही दूरदर्शिता के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अमली जामा पहनाया गया है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 केवल एक नीतिगत दस्तावेज नहीं है, बल्कि भारत के शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले सभी शिक्षार्थियों, शिक्षाविदों और नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है. नई शिक्षा नीति आत्मनिर्भर, सशक्त, समृद्ध और सुरक्षित भारत की नींव है और यह शिक्षा नीति हर बच्चे तक पहुँचकर उसका भविष्य संवारने का एक सशक्त माध्यम है. उच्च शिक्षा में शोध, अनुसन्धान और अकादमिक उत्कृष्टता के साथ देश के विश्विद्यालयों को एकजुट होकर कार्य करना होगा. शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ विश्वविद्यालय की रैंकिंग को उत्कृष्ट करने के साथ ही विद्यार्थियों के कौशल एवं व्यक्तित्व विकास के लिए भी कार्य करना होगा. उच्च शिक्षा में नवाचारों की बढ़ती भूमिका से ज्ञान और कौशल में वृद्धि होगी. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय इस दिशा में प्रयासरत है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी बिंदुओं का समावेश कर शैक्षणिक उन्नयन किया जाए. उन्होंने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नावाचारी प्रयोगों, रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रहा है. विश्वविद्यालय के विकास को सुनिश्चित करते हुए एवं उपलब्ध संसाधनों का सदुपयोग करते हुए डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय केवल प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है.

विश्व एथलेटिक्स दिवस का आयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग में हुआ संपन्न

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा विश्व एथलेटिक्स दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं ने एथलेटिक्स इवेंट में भाग लेकर अपनी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया. उक्त

आयोजन में गोला फेंक, 400 मी., 50 मी. एथलेटिक्स इवेंट संपन्न हुए. इसके अतिरिक्त बीपीईएस के छात्र/छात्राओं द्वारा सर्किट ट्रेनिंग के अन्तर्गत व्यायाम का प्रदर्शन म्यूजिक पर किया गया. संपन्न कराये इवेंट के परिणाम इस प्रकार रहें. 400 मीटर दौड़ (पुरुष) में प्रथम नरेंद्र उईके, दूसरे स्थान पर धर्मेंद्र अहिरवार तथा तीसरे स्थान रोहित लोधी इसी प्रकार 400 मीटर दौड़ (महिला वर्ग) सिमरन, मुश्कान जड़िया, जया, 50 मीटर स्प्रिंट (पुरुष) में पुष्पेन्द्र अहिरवार, धर्मेंद्र, देवेंद्र सेन, 50 मीटर स्प्रिंट (महिला वर्ग) में वैष्णवी तिवारी, उन्नति सेन, सिमरन, गोला फेंक (पुरुष) में ऋषभ तिवारी, अरुण, देवेंद्र सेन गोला फेंक (महिला) वर्क में उन्नति सेन, विशाखा, वैष्णवी तिवारी ने भाग लिया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ईएमआरसी के निदेशक डॉ. पंकज तिवारी एवं अध्यक्षता निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. विवेक बी साठे ने की, बीपीईएस की छात्रा कु. सिमरन ने विश्व एथलेटिक्स डे पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में एथलेटिक्स के प्रति जागरूकता लाना. कार्यक्रम संचालन महेंद्र कुमार ने एवं आभार डॉ. सुमन पटेल ने माना. इस अवसर पर अनवर ख़ान, रंजन मोहंती, डॉ मनोज जैन, दीपक दुबे, अनिल ब्राह्मणकर, प्रकाश पटेल, हिम्मत सिंह उपस्थित रहे.

लोक संस्कृति एवं परंपराओं का संरक्षण आवश्यक है - कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, भारतीय विश्वविद्यालय संघ एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में ''विश्वविद्यालयो एवं संस्थानों में दीक्षांत समारोहों में भारतीय परम्पराओं का पालन'' विषय पर अभातशिप सभागार में

कार्यशाला आयोजित की गई. यह कार्यशाला शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल भाई कोठारी के मार्गदर्शन में हुई. इस अवसर पर ए.आई.सी.टी.ई. के चेयरमैन प्रो. सीताराम, ए.आई.यू. सेक्रेटरी जनरल प्रो. पंकज मित्तल, डॉ. हरीसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल उपस्थित एवं देश के कई संस्थानों के कुलपति सम्मिलित हुए. तकनीकी सत्र में 14 संस्थानों के प्रमुखों ने अपनी बात रखी.

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विगत दिनों आयोजित किये गए विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की कुछ झलकियाँ प्रस्तुत की. उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा एवं लोक संस्कृति को संरक्षित किया जाना

आवश्यक है. दीक्षांत समारोह में आमंत्रण पत्र में हिंदी भाषा में प्रयोग होना चाहिए तथा वेशभूषा भारतीय होनी चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि दीक्षांत समारोह में शिक्षाविदों की उपस्थिति से हमें उनके ज्ञान एवं अनुभव का लाभ मिलता है. उन्होंने बताया कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय बुंदेलखण्ड क्षेत्र में स्थित है जिसमें 25 राज्यों के छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं. छात्रों की अपनी स्थानीय वेशभूषा अलग-अलग हो सकती है लेकिन विश्वविद्यालय बुंदेलखंड की क्षेत्रीय एवं लोक संस्कृति एवं परंपरा के अनुसार सम्पूर्ण दीक्षांत समारोह बुन्देली वेशभूषा के साथ ही आयोजित करता है. लोक परम्पराएं इस तरह के क्रियाकलापों एवं गतिविधियों से भी संरक्षित होगीं.

प्रो. आलोक चक्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश की गौरवशाली ज्ञान परंपरा की जानकारी देना जरूरी है. हम भारतीयता को सम्पूर्णता में अंगीकार करें. प्रो. सीताराम ने कहा कि एकता के लिए दीक्षांत समारोह में भारतीयता जरूरी है.

सहभागियों के साथ चर्चा सत्र का भी आयोजन हुआ. इस अवसर पर विवि प्रतिनिधि के रूप में अकादमिक अफेयर्स निदेशक प्रो. नवीन कानगो एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय उपस्थित थे.

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का अखिल भारतीय हैंडबाल पुरुष प्रतियोगिता में विजयी आगाज

सागर. महात्मा गांधी विश्वविद्यालय कोट्टयम द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय हैंडबाल पुरुष प्रतियोगिता में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का पहला मैच वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा बिहार के साथ खेला गया. जिसमें सागर

विश्वविद्यालय की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए आरा विश्वविद्यालय को 19 -18 गोल से शिकस्त दी. सागर विश्वविद्यालय के खिलाड़ी रमेश चौधरी शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए 6 गोल दागे, इसी प्रकार नागेंद्र सिंह ने 5 गोल, कुलदीप एवं भास्कर पांडेय ने 3-3 गोल, ज्ञानेन्द्र, मनीष ने 1-1 गोल किए. गोल कीपर अमन दुबे ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम के कई प्रयासों को विफल किया. पहली बार डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की टीम ने आल इंडिया के लिये क्वालीफ़ाई किया. शारीरिक शिक्षा विभाग के एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी कर्मचारियों एवं खिलाड़ियों ने टीम को बधाई दी.

अद्भुत प्रतिभा एवं विशिष्ट क्षमता के धनी होते हैं दिव्यांग- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जवाहर लाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय और एसईडीजी सेल के संयुक्त तत्वावधान

में विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी में दिव्यांगजनों के लिए विशिष्टिकृत अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन नवनिर्मित रंगनाथन भवन में कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के प्रो. हरिशंकर सिंह, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर, लखनऊ, प्रो. नीरा कपूर, इग्नू, नई दिल्ली एवं प्रो. इंदु गोयल इलाहबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज की गरिमामयी उपस्थित में सम्पन्न हुआ.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज हम एक ऐसे कार्यक्रम के साक्षी हो रहे हैं जो न सिर्फ समाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग के अधिगम-संसाधनों की सम्पन्नता का द्योतक है अपितु यह ऐसे विश्वास, उम्मीद एवं समावेशन का माध्यम है जो सामाजिक न्याय एवं समावेशी समाज के निर्माण की आवश्यक बुनियाद भी है. मैं मानती हूँ कि ये दिव्यांगजन सामान्य से अलग न होकर दिव्य अंग वाले व्यक्तित्व के रूप में हमारे मध्य समादृत है. जिनके पास दुनिया के कठिन से कठिनतम कार्य करने की क्षमता एवं हौसला होता है. डॉ. हरीसिंह गौर ने सबसे पहले इसी सागर की धरती पर समाज के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से अपवंचित वर्ग को विश्व की श्रेष्ठतम शिक्षा देने के उद्देश्य से इस विश्वविद्यालय की नींव रखी. हम सब सौभाग्शाली हैं कि उनके इस स्वप्न को पूरा करने की दिशा में निरंतर सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं, हमें उम्मीद है कि यह केंद्र भविष्य में दिव्यांग विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं सामाजिक पुनर्वास हेतु एक आधुनिक विश्वस्तरीय केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा इस हेतु विश्वविद्यालय सभी प्रकार के निर्णयों एवं संसाधनों को पूर्ति हेतु प्रतिबद्ध है.

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए एस.ई.डी.जी. प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने बताया कि यू.जी.सी., नई दिल्ली के सुझावों के अनुरूप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने सबसे पहले एस.ई.डी.जी. प्रकोष्ठ का गठन किया. यह प्रकोष्ठ न सिर्फ दिव्यांगजनों अपितु अपवंचित वर्ग के सभी जैसे- अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला, थर्ड जेंडर इन सभी के शैक्षिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु कार्य करेगा और समावेशी समाज के निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान प्रदान करेगा.दिव्यांगजनों हेतु विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं भविष्य की कार्य योजना पर प्रस्तुति देते हुए डॉ. नवीन सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में इस केंद्र में कंप्यूटर लैब, रीडिंग स्पेस, ब्रेल प्रिंटर, ब्रेल बुक सेक्शन, किबो डिवाइस, सुगम्य पुस्तकालय जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु लगभग 10 लाख पुस्तकों की उपलब्धता, हाईस्पीड इंटरनेट के साथ उपलब्ध है. भविष्य में दिव्यांगता के क्षेत्र की आधुनिकतम सुविधा एवं संसाधन इस केंद्र पर उपलब्ध करवाने हेतु

प्रयासरत है साथ दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला से संबधित उत्पादों के विक्रय हेतु दिव्य कला मेला, सभी दिव्यांग विद्यार्थियों को यूडीआईडी कार्ड की उपलब्धता कैम्प के माध्यम से उपलब्ध करवाने का कार्य किया जायेगा.

कार्यक्रम में औपचारिक धन्यवाद पुस्कालयाध्यक्ष टी.ए. मोहन एवं संचालन डॉ. रजनीश अग्रहरि ने किया इस अवसर पर विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.डी. शर्मा, अकादमिक निदेशक प्रो. नवीन कानगो, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस.पी. उपाध्याय, वित्त अधिकारी श्री कुलदीपक शर्मा, प्रो. राजेद्र यादव, प्रो. कलि नाथ झा डॉ. हिमांशु कुमार डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. आशुतोष, डॉ. अरुण कुमार साव, डॉ.महेंद्र, डॉ. रानी दूबे, डॉ. रश्मि जैन, डॉ. सावन, डॉ. पुष्पिता सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे.

विवि के केंद्रीय विद्यालय का परीक्षा परिणाम उल्लेखनीय : कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 के दसवीं बोर्ड का शत-प्रतिशत परिणाम

केंद्रीय विद्यालय क्र.4 (डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय) सागर के सत्र 2023-24 की कक्षा दसवीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा. यह केंद्रीय विद्यालय क्र. 4 का प्रथम बैच है तथा सभी विद्यार्थियों ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विद्यालय को

गौरवान्वित किया है. विद्यालय की इस सफलता पर विद्यालय की अध्यक्ष, प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता कुलपति डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय तथा नामित अध्यक्ष प्रो. पी.के.कठल ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा विद्यालय के प्राचार्य श्री आर.एस.वर्मा एवं समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों को इस अवसर पर उनके अथक प्रयास एवं कठोर परिश्रम पर बहुत-बहुत शुभकामनायें तथा बधाइयाँ दीं. विद्यालय की छात्रा कु. प्राची धेकला ने प्रथम, कु. मोहिनी सूर्यवंशी ने द्वितीय तथा मा. लक्ष्य रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है.

प्रबंधन के बहुआयामी क्षेत्रों में विशेषज्ञता मौजूदा समय की माँग- प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

विश्वविद्यालय में पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के रजिस्ट्रेशन जारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के व्यवसाय प्रबंधन विभाग में विभिन्न शाखाओं में प्रबंधन की पढ़ाई प्रारम्भ हो चुकी है. इसके लिए प्रवेश रजिस्ट्रेशन भी होने लगे हैं. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए

बताया कि प्रबंधन केवल अध्ययन का एक विषय ही नहीं है बल्कि मनुष्य की प्रगति में प्रबंधन का बड़ा योगदान है. बिना समुचित प्रबंधन के किसी भी लक्ष्य को हासिल नहीं किया जा सकता है. बड़े से बड़े उद्योग से लेकर योजना, क्रियान्वयन, निर्माण, संस्थाओं का संचालन, उत्पादन, आपूर्ति, संसाधन, बैंकिंग, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में प्रबंधन की आवश्यकता होती है. आजकल हर क्षेत्र में एक उचित प्रबंधन की आवश्यकता बनी हुई है इसलिए अध्ययन का यह क्षेत्र असीम संभावनाओं से भरा हुआ है. विश्वविद्यालय में सामान्य प्रबंधन पाठ्यक्रम के अतिरिक्त मानव संसाधन, विपणन, वित्त, हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर, ट्रेवेल एंड टूरिज्म क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन का अध्ययन एवं

शोध कार्यक्रम संचालित हैं. इसके अलावा ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों में बीबीए और बैचलर इन होटल मैनेजमेंट भी संचालित हैं. ये सभी पाठ्यक्रम सम्यक दृष्टिकोण बनाने, लीडरशिप क्षमता विकसित करने, उद्यमों का सफल प्रबंधन करने के साथ-साथ मजबूत और लाभ प्रदान करने वाले उद्यम स्थापित करने में सक्षम बनाते हैं. ये सभी पाठ्यक्रम अकादमिक और उद्योग क्षेत्र के कुशल और अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन किये गये हैं. इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन के दौरान बहुआयामी ज्ञान एवं कौशल विकास के लिए केस स्टडीज, इंडस्ट्री विजिट, सेमिनार, कार्यशालाएं, अतिथि व्याख्यान, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम और इंटर्नशिप जैसे प्रविधियों का उपयोग किया जाता है ताकि छात्रों में एक कुशल प्रबंधक एवं एक सफल उद्यमी के गुण विकसित हो सकें. विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. वाय. एस. ठाकुर ने बताया कि विभाग का लक्ष्य कम्युनिटी और उद्योगों के लिए सक्षम और मूल्यवान मानव संसाधन तैयार करना है, जो प्रबंधन क्षेत्र में व्यापक योदगान दे सकते हैं. विभाग में अत्याधुनिक एवं सुसज्जित कंप्यूटर लैब, स्मार्ट लैब, खाद्य उत्पादन प्रयोगशाला, एफएनबी सेवा प्रयोगशाला और एक समृद्ध विभागीय पुस्तकालय है। इसके अलावा अनुभवात्मक शिक्षा की सुविधा के लिए विशेष ग्रूमिंग कक्षाएं, मेंटरशिप, स्टूडेंट क्लब, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियाँ, लीडरशिप प्रोग्राम एवं स्टार्ट अप आइडिया प्रतियोगिता एवं समर्थन एवं प्लेसमेंट ड्राइव जैसी गतिविधियाँ भी आयोजित की जाती हैं.

वनस्पति विभाग के शोधार्थी अमन राज को मिली पी.एच.डी उपाधि

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग के अमन राज को पी.एच.डी की उपाधि मिली है. अमन राज ने “मेटाजीनोमिक एंड मेटाबोलॉमिक इन्वेस्टिगेशन ऑफ बैक्टीरियल मीडिएटेड पेस्टीसाइड डिग्रेडेशन” विषय पर अपना शोध

कार्य डॉ. अश्वनी कुमार, एवं प्रो. पी. के. खरे के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है. अपने शोध में उन्होंने यह स्पष्ट करने की कोशिश की है कि वैश्विक जनसंख्या, शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण किसानों को अधिक खाद्य पैदा करने की आवश्यकता को कैसे पूरी की जाए. कीटों और जलवायु परिवर्तन से फसलों को खतरा है. कीटनाशकों का उपयोग मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए हानिकारक है, जिससे मिट्टी और पानी प्रदूषित होता है. उन्होंने मिट्टी के सूक्ष्मजीवों की बायोडिग्रेडेशन क्षमता का आकलन किया गया और उनका प्रभावी उपयोग की जांच की. उन्होंने ऐसे फ्रेंडली कीटनाशकों की खोज को आगे बढ़ाया है जो मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं है. बाहरी कीटनाशक न डालकर मिट्टी में ही ऐसे कई तत्त्वों को विकसित किया जा सकता है जो वनस्पतियों की रक्षा कर सकें और इसका स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़ेगा. इस उपलब्धि पर विभागाध्यक्ष प्रो एम.एल. खान, विभाग के शिक्षकों, सहपाठियों एवं मित्रों ने बधाई प्रेषित की है.

दर्शनशास्त्र विभाग में मनाया गया भारतीय दार्शनिक दिवस

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के दर्शनशास्त्र विभाग में आदिशंकराचार्य की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय दार्शनिक दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस समारोह की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता थीं. इस समारोह में बडी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे. प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आदिशंकराचार्य के वेदान्त दर्शन को जीवन के लिए उपयोगी बताया और उनके द्वारा भारत की चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना किए जाने के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला. मुख्य वक्ता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने कहा कि आज मानव सभ्यता

जिस संकट के दौर से गुजर रही है उसके लिए उसके पीछे का दार्शनिक चिन्तन ही जिम्मेदार है. एक धरती एक परिवार और

मानवता के साझे भविष्य का दर्शन अद्वैत वेदान्तर ही हो सकता है. कार्यक्रम के आरम्भ में दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए भारतीय दार्शनिक दिवस के महत्व को रेखांकित किया. कार्यक्रम का संचालन दर्शन-विभाग की शोध-छात्रा अक्षरा सिंघई ने किया और धन्यवाद ज्ञापन अतिथि व्याख्याता डॉ. सत्यनारायण देवलिया ने किया.

सीयूईटी परीक्षा केंद्र का कुलपति ने किया निरीक्षण

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, में सत्र 2024-25 की सीयूईटी-यूजी परीक्षाएं 15 मई 2024 से प्रारंभ हुई हैं. विश्वविद्यालय

की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने परिसर में बनाए गए केन्द्रों महर्षि कणाद भवन एवं आचार्य शंकर भवन का निरीक्षण किया. उन्होंने परीक्षा केन्द्रो पर पहुँचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और सुविधाओं का जायजा लिया. दोनों केन्द्रों पर विभिन्न विषयों की लगभग 2000 अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई. निरीक्षण के दौरान परीक्षा समन्वयक प्रो रत्नेश दास, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ एस पी गादेवार, डॉ केशव टेकाम एवं शिक्षक एवं अधिकारी मौजूद रहे.

उच्च रक्तचाप से कोरोनरी धमनी रोग, आघात, दिल का दौरा, गुर्दे की विफलता, गर्भावस्था के दौरान जटिलताएँ, आँख की क्षति आदि बीमारी जन्म ले सकती है : डॉ. अनुराग जैन

डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में विश्व-हाईपरटेंशन दिवस के अवसर पर एक दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में विश्व-हाईपरटेंशन दिवस के अवसर पर आभासी माध्यम में आज दिनांक 17 मई 2024 को एक दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन मनोविज्ञान विभाग और स्वास्थ्य केंद्र के संयोजन से

किया गया. व्यख्यान इस वर्ष की वैश्विक थीम "उच्च रक्तचाप दिवस 2024 की थीम अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें और लंबे समय तक जीवित रहे" विषय पर केन्द्रित किया गया.

कार्यक्रम की शुरुवात में मनोविज्ञान विभाग के वरिष्ठ असिस्टेंट प्रोफ़ेसर एवं समन्वयक डॉक्टर जी. के. तिवारी जी ने विषय का प्रवर्तन करते हुए कहा कि बहुत से मनोवैज्ञानिक कारक आपके उच्च रक्तचाप के खतरे से आपको बचा सकते है, जैसे कि, स्वास्थ्यकर आजीविका की आदतें रोजमर्रा के जीवन में बनाये, आप जीवन को सरल, सजह और अर्थपूर्ण बनाये इसके साथ साथ जैसे आयु, पारिवार, और कार्य क्षेत्र में व्यवस्थित कार्य करने की आदते डालिए तो आपको तनाव की परिस्थिति से बाहर निकल आयेंगे.

इसके पश्चात् विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. भूपेन्द्र पटेल जी ने उच्च रक्तचाप के जैविक पक्षों पर प्रकाश डाला, इसके पश्चात् विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर नीलिमा गुप्ता जी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि उच्च रक्तचाप का कोई लक्षण नहीं होता लेकिन समय के साथ, यदि इसका इलाज न हो, तो इससे स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयां, जैसे हृदयरोग और स्ट्रोक आदि हो सकते हैं, इसलिए इसके प्रति लोगों को जागरूक होना चाहिए, उच्च रक्तचाप वाले अधिकांश लोगों को कोई लक्षण महसूस नहीं होता है. बहुत उच्च रक्तचाप के कारण सिरदर्द, धुंधली दृष्टि, सीने में दर्द और अन्य लक्षण हो सकते हैं. आपके रक्तचाप की जाँच यह जानने का सबसे अच्छा तरीका है कि आपको उच्च रक्तचाप है या नहीं. यदि उच्च रक्तचाप का इलाज नहीं किया जाता है, तो यह किडनी रोग, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी अन्य स्वास्थ्य स्थितियों का कारण बन सकता है. कई बार लोगो में सामान्य सिरदर्द, छाती में दर्द, चक्कर आना, सांस लेने में दिक्कत, जी-मिचलाना, उल्टी करना, धुंधली दृष्टि या अन्य दृष्टि परिवर्तन, चिंता, भ्रम, कानों में गूंजना आदि अनुभव होते है लेकिन हम सभी इन्हें नजर अंदाज करते रहते है. अचानक, गंभीर सिरदर्द या नकसीर का अनुभव करने वाले किसी को भी अपने रक्तचाप की जांच करानी चाहिए. यदि किसी व्यक्ति को सीने में दर्द, सांस की तकलीफ या दृश्य कठिनाई जैसे गंभीर लक्षणों का अनुभव होता है, तो उन्हें आपातकालीन चिकित्सा उपचार के लिए कॉल करना चाहिए क्योंकि वे उच्च रक्तचाप से ग्रस्त संकट का अनुभव कर सकते हैं.

इस अवसर पर बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज से आमंत्रित वक्ता डॉ. अनुराग जैन ने कहा कि उच्च रक्तचाप तब होता है जब आपकी धमनियों की दीवारों पर रक्त का दबाव लगातार बहुत अधिक होता है. यह समय के साथ आपकी धमनियों को नुकसान पहुंचाता है और दिल का दौरा और स्ट्रोक जैसी गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है. अगर आपका ब्लड प्रेशर 90/60 या इससे कम है तो इस स्थिति को लो ब्लड प्रेशर माना जाता है. अगर आपका ब्लड प्रेशर 90/60 से ज्यादा और 120/80 से कम है तो आपकी स्थिति स्वस्थ और आदर्श मानी जाती है. यदि आपका रक्तचाप 120/80 और 140/90 के बीच है, तो इस स्थिति को सामान्य रक्तचाप माना जाता है. अगर आपका ब्लड प्रेशर 140/90 और इससे ज्यादा है तो इसे हाई ब्लड प्रेशर माना जाता है "उच्च रक्तचाप" इस सामान्य स्थिति के लिए दूसरा शब्द है. स्वास्थ्य सेवा प्रदाता उच्च रक्तचाप को "साइलेंट किलर" कहते हैं क्योंकि आमतौर पर आपके पास कोई लक्षण नहीं होते हैं तो, हो सकता है कि आपको पता न हो कि कुछ भी गलत है, लेकिन क्षति अभी भी आपके शरीर के भीतर हो रही है. रक्तचाप (बीपी) रक्त वाहिका की दीवारों पर रक्त के दबाव या बल का माप है. आपके बीपी रीडिंग में दो नंबर हैं शीर्ष संख्या सिस्टोलिक रक्तचाप है, जो आपके दिल के धड़कने या सिकुड़ने पर आपकी धमनी की दीवारों पर दबाव को मापता है. सबसे निचली संख्या डायस्टोलिक रक्तचाप है. जब आपका दिल आराम कर रहा होता है तो यह धड़कनों के बीच आपकी धमनी की दीवारों पर दबाव को मापता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि विश्व स्तर पर, 30 से 79 वर्ष की आयु के 1.2 बिलियन से अधिक लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं. उनमें से लगभग 3 में से 2 व्यक्ति निम्न या मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं. उच्च रक्तचाप प्रमुख रूप से दो प्रकार के होते है, एक प्राथमिक उच्च रक्तचाप. इस अधिक सामान्य प्रकार के उच्च रक्तचाप के कारणों में उम्र बढ़ना और पर्याप्त व्यायाम न करना जैसे जीवनशैली कारक शामिल हैं. दूसरा माध्यमिक उच्च रक्तचाप इस प्रकार के उच्च रक्तचाप के कारणों में विभिन्न चिकित्सीय स्थितियाँ या आपके द्वारा ली जा रही दवाएँ शामिल हैं. प्राथमिक और माध्यमिक उच्च रक्तचाप (उच्च रक्तचाप) एक साथ मौजूद हो सकते हैं. उदाहरण के लिए, एक नया द्वितीयक कारण पहले से ही उच्च रक्तचाप को और भी अधिक बढ़ा सकता है. उच्च रक्तचाप से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं जिनमें शामिल हैं कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी), आघात, दिल का दौरा, परिधीय धमनी रोग, गुर्दे की बीमारी और गुर्दे की विफलता, गर्भावस्था के दौरान जटिलताएँ, आँख की क्षति आदि.

इस व्याख्यान माला के द्वितीय वक्ता डॉ. विनोद कुमार शर्मा जी (जो कि नैदानिक मनोवैज्ञानिक एवं असिस्टेंट प्रोफसर है, सिद्धो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका, झारखंड) ने उच्च रक्त चाप के प्रबंधन पर अपना व्याख्यान देते हुए बताया कि पौष्टिक भोजन खाएं अपने रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद के लिए, आपको खाने में सोडियम (नमक) की मात्रा को सीमित करना चाहिए और अपने आहार में पोटेशियम की मात्रा बढ़ानी चाहिए. नियमित रूप से व्यायाम करें व्यायाम करके आप स्वस्थ

वजन रख सकते हैं और रक्तचाप कम कर सकते हैं. स्वस्थ वजन रखें अधिक वजन या अधिक वजन होने से उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ जाता है. एक ठोस वजन बनाए रखने से आपको अपने उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने और अन्य चिकित्सा समस्याओं के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है. शराब से बचें बहुत अधिक शराब पीने से आपका रक्तचाप बढ़ सकता है. इसमें अतिरिक्त कैलोरी भी शामिल होती है, जिससे वजन बढ़ सकता है. धूम्रपान निषेध सिगरेट पीने से रक्तचाप बढ़ता है और आपके दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है. कैफीन काट लें कैफीन रक्तचाप बढ़ा सकता है, लेकिन कम उपयोगकर्ताओं के लिए प्रभाव अस्थायी है. जो लोग नियमित रूप से कैफीन युक्त पेय पदार्थों का सेवन करते हैं, वे रक्तचाप में मामूली वृद्धि का अनुभव कर सकते हैं. वजन कम करना यदि आपका वजन अधिक है, तो आपका रक्तचाप भी उच्च है, इसलिए अपने रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए वजन कम करने का प्रयास करें. यदि आप अधिक वजन वाले या मोटे हैं, तो यह सिर्फ रक्तचाप ही नहीं है जो स्लीप एपनिया का कारण बनता है.

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता कर रहे मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफ़ेसर दिवाकर राजपूत जी ने कहा की लोगों के तनाव और चुनौतियों के बीच के अनुभवों को समझने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की नीति का पालन करने के लिए इन कारकों पर ध्यान देना जरूरी है. ऐसा करके ही उनके मानसिक स्वास्थ्य की चिंताओं के साथ साथ उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित किया जा सकता है इन बीमारियों को लेकर हमारी प्रतिक्रिया मेडिकल ज्ञान पर आधारित न होकर हमारी सामाजिक समझ से भी संचालित होती है. इंटरनेट के युग में हम ज्यादातर सूचनाएं ऑनलाइन हासिल करते हैं. यह एक व्यवहारवादी परिवर्तन है. उन्होंने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की. इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर अम्बिका दत्त शर्मा जी, डॉ. शारदा विश्वकर्मा, डॉ.डी.एन. शर्मा, शोधार्थी श्रीमती अर्चना सिंह, सुश्री अर्चना चौधरी, श्री अनुराग शुक्ल, श्री अमित मकोरिया एवं स्नातक और परास्नातक के सभी विद्यार्थी इस कार्यक्रम में सहभागी रहे. कार्यक्रम के अंत में समन्वयक डॉ.जी.के. तिवारी ने सभी का आभार माना.

ज्ञान के अद्वितीय स्रोत हैं संग्रहालय: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में विश्व संग्रहालय दिवस पर प्रर्दशनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मानवविज्ञान विभाग के तत्त्वावधान में विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर दो

दिवसीय कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ. मानव विज्ञान विभाग तथा सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय सागर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया. इस अवसर पर रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट के निदेशक एवं भूगर्भ विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. एच. थॉमस, प्राचीन भारतीय इतिहास,

संस्कृति एवं और पुरातत्व विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे एवं व्यवहारिक विज्ञान अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो. देवाशीष बोस एवं कार्यक्रम के संयोजक फैकल्टी अफेयर्स निर्देशक एवं मानवविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अजीत जायसवाल मंचासीन थे.

उद्घाटन के अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि म्यूजियम ज्ञान का एक अद्भुत संसाधन है. प्राचीन समय एवं संस्कृति को सहेजकर रखना एक जटिल कार्य है. मानव विज्ञान, पुरातत्व एवं ज्ञान के ऐसे कई अनुशासन अपने अध्ययन-अध्यापन में संग्रहालय को एक स्रोत के रूप में विकसित करते हैं. इससे हमें अपने इतिहास का बोध तो होता ही है साथ ही शोध के लिए नए आयाम विकसित होते हैं. इस वर्ष इस दिवस की थीम भी यही है कि संग्रहालय को ज्ञान के स्रोत के रूप में कैसे विकसित करें. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पांच विभागों में अद्वितीय संग्रहालय हैं. समय के साथ इनको और अधिक मॉडर्न बनाने की आवश्यकता है. सभी ऐसे विभागों की संयुक्त पहल पर म्यूजियोलॉजी में स्किल बेस्ड सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किये जायेंगे. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में सभी संग्रहालयों को आधुनिक बनाने का प्रस्ताव है जिससे विद्यार्थियों के साथ-साथ शोध के प्रति जागरूक शोधकर्ताओं को स्रोत सामग्री आसानी से प्राप्त हो सके. मानव विज्ञान विभाग एवं संग्रहालय के आधुनिकीकरण के लिए भी उन्होंने कहा. कुलपति ने विभाग में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया. उन्होंने विश्व संग्रहालय दिवस की सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं.

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य संयोजक प्रो. अजीत जायसवाल ने दिया. उन्होंने विश्व संग्रहालय दिवस की महत्ता को रेखांकित करते हुए संग्रहालयों की आवश्यकता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला. डॉ. अरिबम विजयासुन्दरी ने दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की. विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्रों में जनजातीय एवं आदिवासी संस्कृति पर केन्द्रित मॉडल का प्रदर्शन किया. यह प्रदर्शन एवं प्रतियोगिता के रूप में है जिमें

विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा. कार्यक्रम में विभाग के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. के के एन शर्मा, डॉ. सोनिया कौशल, भगत सिंह, अन्य विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे.

स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी भी प्रदर्शनी का कर सकेंगे अवलोकन

संयोजक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. अजीत जायसवाल ने बताया कि दो दिवसीय प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्र-छात्राओं के साथ-साथ सागर शहर के स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी भी आमंत्रित हैं. प्रदर्शनी का अवलोकन कर वे भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति से परिचित हो सकेंगे.

सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

मानवविज्ञान विभाग, डा. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर एवं सत्य कला एवं संस्कृति संग्रहालय सागर द्वारा डा. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में दिनांक 17 एवं 18 मई 2024 को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समारोह एवं प्रदर्शनी सह प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समारोह में विश्वविद्यालय से संबंद्ध महाविद्यालयों-टाइम्स कालेज दमोह, पं बृजकिशोर पटैरिया महाविद्यालय मालथौन, राजीव लोचानाचार्य महाविद्यालय खुरई एवं बी टी इंस्टीट्यूट आफ एक्सीलेंस सागर के लगभग 200 छात्र सम्मिलित हुए. महाविद्यालयों के छात्र अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समारोह एवं प्रदर्शनी सह प्रतियोगिता से लाभान्वित एवं उन्हें जनजातीय संस्कृति के बारे जानकारी प्राप्त हुई.

जनजातीय जीवन पर आधारित प्रदर्शनी भारत की अनमोल सांस्कृतिक धरोहर है : रूपेश उपाध्याय

संग्रहालय का उद्देश्य सीखना, समझना और सांस्कृतिक खोज करना है : डॉ एस पी उपाध्याय

प्रकृति विम्ब छायाचित्र प्रदर्शनी सैकड़ों दर्शकों ने किया भारत दर्शन

मानव विज्ञान विभाग डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में विश्व संग्रहालय दिवस पर संग्रहालय एवं प्रकृति विम्ब छाया चित्र प्रदर्शनी एवं मॉडल-पोस्टर प्रतियोगिता सम्पन्न हुई. समापन के अवसर पर प्रभारी कुलसचिव डॉ एस पी उपाध्याय ने कहा कि संग्रहालय की भूमिका आम जन को एक ही स्थान पर विश्व का दर्शन कराने के स्थल की है. संग्रहालय कई ऐसी पुरातात्विक सामग्री से परिचय कराती जो हमें मानव सभ्यता की याद दिलाती है. संग्रहालय में रखी वस्तुएं सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती है. उन्होंने बताया संग्रहालय दिवस का उद्देश्य सीखना, समझना और सांस्कृतिक खोज करना है. डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में विधार्थी, शोधार्थी, शिक्षकों द्वारा शिक्षा एवं शोध से जुड़ी गुणवत्तायुक्त शोध परिणाम आ रहे हैं जिससे विश्वविद्यालय ने ए प्लस ग्रेड प्राप्त किया है. मानव विज्ञान विभाग का म्यूजियम एवं जनजातीय जीवन पर आधारित प्रकृति विम्ब छायाचित्र प्रदर्शनी प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक है जो भारत की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराती है.

विभागाध्यक्ष प्रो. अजीत जायसवाल ने बताया कि मानव विज्ञान विभाग 1957 से अभी तक लगभग सात दशकों में मानव के जन जीवन से जुड़े उनके शारीरिक, सामाजिक, आर्कियोलोजिकल एवं जेनेटिक विकास के सभी पक्षों का अध्ययन किया है. भारत के दुर्लभ जगहों पर जाकर शोध किये हैं एवं उनके जीवन से जुड़ी भौतिक सामग्री वस्त्र, आभूषण, वाद्य यंत्र, कृषि उपकरण, आवास, शिलालेख के छाया चित्र का वीडियो संग्रह भी किया है. दो दिवस में सैकड़ों विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने अवलोकन किया है. उन्होंने म्यूजियम के विस्तार, सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स संचालित करने के लिए भारत सरकार से अनुदान दिलाने के प्रयास के प्रति आभार एवं धन्यवाद दिया.

इस अवसर पर पधारे जिला पुरातत्व,पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी रूपेश उपाध्याय ने कहा कि जनजातीय जीवन पर आधारित छाया चित्र प्रदर्शनी भारत की अनमोल सांस्कृतिक धरोहर है. दुनिया भर में संग्रहालयों की भूमिका के

बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल संग्रहालय दिवस मनाया जाता है. 'इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूजियम' के मुताबिक, "संग्रहालय कई ऐसी चीजों को संरक्षित करते हैं जो हमें मानव सभ्यता की याद दिलाती हैं. संग्रहालयों में रखी वस्तुएं प्रकृति और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं." इस दिन का उद्देश्य विकासशील समाजों में संग्रहालयों की भूमिका के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना है.

इस अवसर पर स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोधर्थियों ने मॉडल, पोस्टर प्रतियोगिता में बढ़ चढ़ कर भाग लिया. जिन्हें प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किये गये. प्रथम स्थान भव्या मिश्रा, द्वितीय स्थान अरण्यका अग्निहोत्री एवं शीतल सिंह तथा तृतीय स्थान यंगलम जोशी एवं तनुश्री के समूह को मिला. द्वितीय ग्रुप में आर्यनिका अग्निहोत्री, तनुश्री, रुही दास को, तृतीय ग्रुप में जूही शिरोड एवं जान्हवी चौधरी को पुरस्कार मिले. आकांक्षा सिंह को विशेष पुरस्कार दिया गया. संचालन

पार्थ सारथी दत्ता ने किया. स्वागत उदबोधन डॉ अरिबम विजया सुंदरी देवी एवं आभार डॉ सोनिया कौशल ने ज्ञापित किया. इस अवसर पर प्रो एन पी सिंह, प्रो के के एन शर्मा, प्रो नागेशदुबे, प्रो एच थामस, सचिन सिपोल्या सहित अनेक शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित थे.

संस्कृति से परिचित होने के लिए संग्रहालयों की ओर लौटना होगा : प्रो. नागेश दुबे

विश्वविद्यालय के पुरातत्त्व संग्रहालय में विश्व संग्रहालय दिवस मनाया गया

विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के पुरातत्त्व संग्रहालय में विश्व संग्रहालय दिवस मनाया गया. इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे द्वारा बताया गया कि संग्रहालयों में संग्रहीत

पुरावशेषों से हमें प्राचीन मानव सभ्यता के बारे में पता चलता है. संग्रहालयों में संरक्षित पुरानिधियाँ हमारे पूर्वजों की जीवन शैली, धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पक्षों को प्रदर्शित करती हैं. पुरातात्त्विक महत्व के संग्रहालयों के अलावा

कला, संगीत, अस्त्र शस्त्र, वस्त्र व जनजातीय संस्कृति से संबंधित संग्रहालयों से भी अतीत व वर्तमान जनजीवन की प्रासंगिकता सिद्ध होती है. इसलिए हमें संग्रहालयों की ओर लौटना होगा एवं व्यक्तिगत, संस्थागत एवं राजकीय स्तर पर सहयोग प्रदान कराना होगा. प्रो. नागेश दुबे के उदबोधन के पश्चात् विभाग के शिक्षकों एवं शोध छात्रों द्वारा विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर अपने-अपने उद्बोधनों में संग्रहालय विषय के साथ-साथ पुरातात्त्विक एवं ऐतिहासिक महत्व की पुरानिधियों को संरक्षित करने के संबंध में अपने-अपने विचार व्यक्त किये गये.

विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार यादव द्वारा यह भी जानकारी प्रदान की गयी कि विभागीय पुरातत्त्व संग्रहालय में संरक्षित एवं संग्रहीत अनेक पुरानिधियाँ, पाषाण उपकरण, मृदभाण्ड, मृण्मूर्तियाँ, दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली

वस्तुएँ, अभिलेख, सिक्के, सिक्के निर्मित करने वाले सांचे, श्रृंगार सामग्री, पाषाण प्रतिमाएँ, धातु निर्मित उपकरण आदि हमारे आंचलिक इतिहास एवं संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए सागर एवं मध्य प्रदेश के सांस्कृतिक गौरव की झलक प्रस्तुत करती है. इस अवसर पर प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के स्नातक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने संग्रहालय में भ्रमण कर संग्रहालय में प्रदर्शित प्रतिमाओं एवं पुरावस्तुओं के विषय में जानकारी प्राप्त की तथा संग्रहालय के महत्व को समझा.

इस अवसर पर विभागीय शिक्षक डॉ. मशकूर अहमद कादरी, डॉ. शिवकुमार परोचे, शोध छात्रा एवं छात्र कु. यामिनी योगी, श्री कीरत अहिरवार, श्री आनन्द जायसवाल, श्री संजय आठिया, श्री भरत यादव, श्री सोहनलाल मोदनवाल एवं कर्मचारीगण आदिल खान, मोहन राय, हाशिम कुरैशी, राजेंद्र रजक के साथ-साथ विभागीय छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे.

मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज एंड रिसर्च में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय वेस्ट जोन में शीर्ष तीन में

देश के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में छठी रैंक, आल इण्डिया में टॉप 30 में शामिल

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है. देश भर के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में हो रहे बहुअनुशासनिक शोध एवं अध्ययन में विश्वविद्यालय की छठवीं रैंकिंग है. जबकि वेस्ट जोन के विश्वविद्यालयों में तीसरी रैंकिंग है. साथ ही विश्वविद्यालय देश भर के बहुअनुशासनिक शोध एवं अध्ययन वाले टॉप 30 विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है. भारत की ख्यातिलब्ध अंग्रेजी पत्रिका 'द वीक' और प्रसिद्ध शोध संस्था 'हंसा रिसर्च' के साझा सर्वे में यह रैंकिंग मिली है. इस सर्वे में देश भर के विभिन्न केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय एवं निजी विश्वविद्यालय शामिल करते हुए रैंकिंग का निर्धारण किया गया है. विश्वविद्यालय का पिछले वर्ष का स्कोर 374 था अब बढ़कर 414 हो गया है.

गौरतलब है कि हाल ही में विश्वविद्यालय को नैक द्वारा ए प्लस ग्रेड हासिल हुआ है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में इंटरडिसिप्लिनरी, मल्टीडिसिप्लिनरी, एबिलिटी इन्हैंसमेंट, स्किल डेवलपमेंट आदि प्रश्नपत्र पाठ्यचर्या में शामिल किये गये हैं. यूजी-पीजी और शोध पाठ्यक्रमों में अन्तरानुशासनिकता और बहुअनुशासिकता को अनिवार्य रूप से सम्मिलित करते हुए प्रोजेक्ट, लघु शोध-प्रबंध और शोध कार्य कराये जा रहे हैं. विश्वविद्यालय में संचालित ओपन इलेक्टिव प्रश्न-पत्र की प्रकृति भी मल्टीडिसिप्लिनरी है. वर्तमान में विज्ञान, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग के शिक्षक डीएसटी, आईसीएसएसआर, एसईआरबी जैसे राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं से प्रदत्त महत्त्वपूर्ण शोध परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं जिनकी इंटरडिसिप्लिनरी और मल्टीडिसिप्लिनरी है. विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान और विज्ञान संकाय जैसे जूलॉजी, बॉटनी, फिजिक्स आदि के विद्यार्थी और शिक्षक कोलैबोरेटिव रिसर्च एवं स्टडी में संलग्न हैं. विश्वविद्यालय में समाज विज्ञान शिक्षण अधिगम केन्द्रों के माध्यम से अनेक गतिविधियाँ संचालित हैं जिनकी प्रकृति बहुअनुशासनिक है. विश्वविद्यालय इन सभी विशेषताओं के कारण विश्वविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए सभी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों और अकादमिक उन्नयन में शामिल विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित है. हमने पाठ्य संरचना, अध्ययन-अध्यापन एवं शोध के स्तर पर हमने अभिनव कदम उठाये हैं. ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों को अध्ययन-अध्यापन की प्रकृति में और अधिक फ्लेक्सिबिल (लचीला) बनाया है ताकि विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से ज्ञान का कोई भी क्षितिज अछूता न रहे. भाषाई और ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों की विविधता का संगम हमारे विश्वविद्यालय की पहचान है. विश्वविद्यालय के शिक्षक अलग-

अलग भाषा और अनुशासनों में लगातार शोध आधारित पुस्तक लेखन का कार्य कर रहे हैं. अकादमिक साझेदारी और कोलैबोरेटिव रिसर्च एंड स्टडी को बढ़ावा देने के लिए कई नई इकाईयां गठित की गई हैं जिनके माध्यम से इंटरडिसिप्लिनरी और मल्टी डिसिप्लिनरी स्टडीज को बढ़ावा मिल रहा है. कई संस्थाओं के सर्वे में मिली अच्छी रैंकिंग इस बात का प्रमाण है कि हमारा विश्वविद्यालय लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है. वह दिन दूर नहीं जब हमारा विश्वविद्यालय नंबर वन रैंक हासिल करेगा.

विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर (पी.जी.) में प्रवेश लेने हेतु प्रथम काउन्सिलिंग 24 को

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर (पी.जी.) शैक्षणिक कोर्स में प्रवेश लेने हेतु प्रथम काउन्सिलिंग 24 मई 2024 को होगी. प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. दिवाकर शुक्ला ने बताया कि प्रवेश हेतु समर्थ पोर्टल पर छः हजार पॉच सौ से अधिक आवेदकों ने पंजीकरण कराया है, सर्वाधिक आवेदन फ़ोरेन्सिक विज्ञान (छः सौ से अधिक) प्राप्त हुऐ हैं तथा एल.एल.बी. (तीन वर्षीय) कोर्स में पॉच सौ से अधिक आवेदन प्राप्त हुऐ हैं.

यदि किसी अपरिर्हाय कारण से आवेदक स्वयं काउन्सिलिंग स्थल पर आने में असमर्थ है तब वे मूल दस्तावेजों के साथ अपना प्रतिनिधि भेज सकते हैं. काउन्सिलिंग हेतु प्रातः 10 बजे सम्बन्धित विभाग में पहुँच कर एक रजिस्टर में हस्ताक्षर करना होगा. काउन्सिलिंग प्रक्रिया 11 बजे से (या उसके बाद) प्रारंभ होगी. आवेदकों को समस्त दस्तावेजों की मूल प्रति के साथ-साथ एक छाया प्रति भी लानी होगी जो विभाग में जमा होगी. चार फोटो भी लाना होगा। समस्त दस्तावेजों के सत्यापन उपरान्त ही मेरिट अनुसार प्रवेशहेतु सीट आवंटित की जायेगी. विषय अनुसार कट-आफ तथा अन्य सम्बन्धित जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है. सम्पर्क हेतु विभागाध्यक्षों की सूची भी वेबसाइट पर उपलब्ध है. जिन अभ्यर्थियों का अन्तिम सेमेस्टर या उससे एक पूर्व सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम नहीं आया है वे भी काउन्सिलिंग में भाग ले सकते हैं.

"इक साधे सब सधे" संगीत पुरा छात्र व्याख्यान माला आयोजित

एल्यूमी कनेक्ट के अंतर्गत संगीत विभाग डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में पूर्व छात्र श्री जितेन्द्र गोलंदाज नें "विद्यालय स्तर में संगीत से रोजगार के अवसर" विषय पर व्याख्यान दिया. जितेंद्र जी जवाहर नवोदय विद्यालय, रायसेन-बाड़ी में संगीत शिक्षक के रुप में पदस्थ है. आपने 2006 में संगीत विभाग में स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित की और 2007 में संगीत शिक्षक के रूप में पदस्य हुए. छोटी बहन प्रतिभा गोलंदाज ने विभाग से एम ए संगीत उपाधि लेकर केन्द्रीय विद्यालय में संगीत शिक्षक का पद प्राप्त किया है.

जितेंद्र जी का चयन केन्द्रीय विद्यालय में भी हुआ. श्री गोलंदाज ने बिभाग के स्नातक स्नातकोत्तर एवं शोध के विद्यार्थियों को बताया कि इक साधे सब

सधे सब साधे सब जाए. एक राग की साधना पूरे मनोयोग से करने पर उसकी साधना का प्रतिफल आगे के रागों में भी दिखता जाएगा. संगीत को कागज पर या मोबाइल में अंकित करने की अपेक्षा सीधे मस्तिष्क में अंकित करने से ही सफलता पाई जा सकती है.

विभाग के प्लेसमेंट सेल प्रभारी डा. अवधेश प्रताप सिंह तोमर ने कार्यक्रम का समन्वय किया. डॉ राहुल स्वर्णकार ने स्वागत उद्बोधन एवम अतिथि सम्मान किया. विभाग अध्यक्ष प्रो. अशोक अहिरवार एवं प्लेसमेंट सेल प्रभारी प्रो. जी. एल. पुणतांबेकर के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किया गया. शोध छात्र आकाश जैन एवं स्तुति खंपरिया नें संचालन किया.

बायोकेमेस्ट्री, जेनेटिक्स और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिसर्च में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की देश में 32वीं रैंकिंग

नवाचारी शोध में देश भर के संस्थानों में टॉप 40 में

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को एक और उपलब्धि हासिल हुई है. विज्ञान विषयों में देश भर के संस्थानों में उत्कृष्ट रैंक हासिल हुई है. बायोकेमेस्ट्री, जेनेटिक्स और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के शोध में विश्वविद्यालय की देश भर में 32वीं रैंक है. वहीं केमेस्ट्री विषय के शोध में 33वीं रैंक है. नवाचारी शोध में ओवरऑल पर्सेंटाइल के साथ देश में 40 वाँ स्थान है. विश्वविद्यालय को यह रैंकिंग शिमागो इंस्टीट्यूशंस ऑफ रैंकिंग्स 2024 द्वारा किये गए सर्वेक्षण में हासिल हुआ है. गौरतलब है कि शिमागो इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग्स रिसर्च, नवाचार और सामाजिक प्रभावशीलता जैसे तीन मानकों पर किसी भी संस्था की रैंकिंग का निर्धारण करती है. रिसर्च रैंकिंग में साइंटिफिक लीडरशिप, रिसर्च आउटपुट, उच्च गुणवत्तायुक्त पब्लिकेशन तथा इंटरनेशनल कोलैबोरेशन, प्रकाशित जर्नल जैसे मानकों को शामिल किया गया है. इनोवेशन में नावाचारी ज्ञान, पेटेंट और तकनीकी प्रभाव जैसे मानकों के जरिये रैंक का निर्धारण किया गया है.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए सभी शोधार्थियों, शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शोध में नावाचारी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है. विश्वविद्यालय में 08 एडवांस रिसर्च सेंटर संचालित हैं जिनमें लगातार शोध चलते रहते हैं. नवीन इंटीग्रेटेड लैब बन जाने के बाद शोध गतिविधियों में और तेजी आएगी और हम अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे. विभिन्न संस्थाओं के साथ हुए शोध एमओयू से भी आने वाले दिनों में हमें अच्छे परिणाम मिलेंगे. शोध एवं नवाचार में हमारा विश्वविद्यालय सर्वोत्कृष्ट होगा, ऐसा हमें दृढ़ विश्वास है.

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) 2024 हेतु डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को बनाया गया परीक्षा केन्द्र

सागर अंचल एवं सागर के आस पास के विद्यार्थियों के लिए जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नईदिल्ली द्वारा जूनियर रिसर्च फ़ेलोशिप (JRF) तथा सहायक प्राध्यापक पद के लिए पात्रता हेतु आयोजित नेट (NET) परीक्षा में सम्मिलित होते हैं, उनके लिए बहुत ही खुशी एवं प्रसन्नता का विषय है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नईदिल्ली ने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को परीक्षा केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की है. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नईदिल्ली ने विश्वविद्यालयों में शोध हेतु पी.एचडी. के लिए आगामी सत्र से नेट (NET) परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है. ऐसे में

यूजीसी नेट परीक्षा की महत्ता और बढ़ गयी है. यूजीसी नेट-2024 जिसकी परीक्षा 18 जून 2024 को आयोजित होने वाली है, उसके लिए डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में भी परीक्षा केन्द्र बनाया गया है. विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में यह परीक्षा संपन्न होगी. इस परीक्षा में 504 विद्यार्थी सम्मिलित होंगे.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता जी के प्रयासों से यह परीक्षा केन्द्र यूजीसी नेट-2024 की परीक्षा के लिये गठित किया गया है, जिससे इस अंचल के विद्यार्थियों को इस परीक्षा हेतु अन्य शहरों में नहीं जाना पडेगा. विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया का शुरू से ही यह प्रयास रहा है कि विश्वविद्यालय एवं उससे जुड़े विद्यार्थियों के लिए एक सुगम वातावरण निर्मित किया जाये, जहां विद्यार्थी अपने पठन-पाठन को सुचारू रूप से ग्रहण करें तथा देश की महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए यह विश्वविद्यालय एक केन्द्र के रूप में स्थापित हो ताकि यहां के विद्यार्थियों को अनावश्यक आर्थिक एवं मानसिक रूप से परेशान न होना पड़े और उन्हें अपने शहर में ही सुगमतापूर्वक परीक्षाओं में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हो सके. सागर शहर के सभी छात्र बहुत प्रसन्न हैं कि उन्हें नेट (NET) परीक्षा देने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा. विश्वविद्यालय के लिए मिली इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार ने अपनी मुखिया माननीया प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति जी के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया है.

ग्रीष्मकाल में समर स्किल कोर्सेस का आयोजन

जनहित में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की नवाचारपरक पहल

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में आज दिनांक 29 मई 2024 को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें 3 आनलाईन/ऑफलाईन नवाचार एवं कौशल विकास के कार्यक्रम

आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया. विश्वविद्यालय की कुलपति ने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं सागर अंचल के अन्य विद्यार्थियों में रोजगारोन्मुख क्षमता विकास एवं प्रतियोगी परीक्षा दक्षता के लिये कुछ नये कार्यक्रम आरम्भ करने की मंशा से एक 11 सदस्यीय समिति का गठन किया है जिसका अध्यक्ष भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज को बनाया गया है. गठित समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विद्यार्थियों एवं आमजन के हित में 3 आनलाईन/ऑफलाईन कार्यक्रम - समर कौशल, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन हेतु ज्ञान सागर कार्यक्रम तथा मॉक टेस्ट का आयोजन किये जाने के निर्देश दिये. उन्होंने ग्रीष्मकालीन समय में अधिकांश शिक्षण संस्थाओं में अवकाश के चलते विद्यार्थियों के पास समय होने के कारण उनके लिये हॉबी, योग्यता संवर्द्धन अथवा रोजगारपरक क्षमता विकास केन्द्रित

कौशल विकास के 2 से 4 सप्ताह अवधि के कौशल पाठ्यक्रम आरम्भ करने को कहा. इसमें प्रथम चरण में कम्प्यूटर आधारित माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, वीडियो एडिटिंग, साईबर सिक्युरिटी, नेट बैंकिंग, ऑर्गनिक फॉर्मिंग, टैरिस गार्डनिंग, फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी के साथ-साथ खेलकूद गतिविधियों संबंधी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. इसके अतिरिक्त द्वितीय चरण में इसी प्रकार के अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा.

नवाचार एवं कौशल विकास के लिए गठित समिति विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले अपने विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के लिए पाठ्यक्रमों के चयन, स्कूली विद्यार्थियों के लिए, जो उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण कर विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर की शिक्षा के लिए प्रयासरत् हैं, उनके लिए कैरियर कांउसिलिंग के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास एवं वार्तालाप की विद्या कि कैसे विद्यार्थी अपनी बात को बेहतर ढंग से कह पायें, इसके लिए उनका कम्यूनीकेशन स्किल बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है. साथ ही ऐसे विद्यार्थी जो उच्च शिक्षा में अध्ययनरत् हैं और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए भी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कैसे तैयारियाँ की जायें, कैसे प्रश्नों के उत्तर दिये जायें, कैसे पाठ्यक्रमों का वर्गीकरण कर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हुआ जाये, प्रतियोगी परीक्षाओं का डर मन से दूर करने के लिए उन्हें मॉक टेस्ट के माध्यम से उनके स्किल को बेहतर बनाया जाये इन सब बिन्दुओं को दृष्टि में रखते हुये ऐसे छोटे-छोटे दो से चार सप्ताह की अवधि के कार्यक्रमों की रूपरेखा विश्वविद्यालय तैयार कर इस ग्रीष्म सत्र में लागू कर रहा है.

इन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के अतिरिक्त अन्य विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों, स्कूलों में अध्ययनरत् विद्यार्थी भी भाग ले सकते हैं. इस हेतु विश्वविद्यालय अपनी बेवसाईट पर पंजीयन हेतु लिंक का सृजन करेगा, जहां विद्यार्थी अपने मन चाहे कार्यक्रम में एक निश्चित शुल्क का भुगतान कर पंजीयन करा सकता है.

माननीया कुलपति महोदया ने सुझाव दिया कि नेट बैंकिंग एवं साईबर सिक्युरिटी के बारे में भी इस कार्यक्रम में जानकारी प्रदान की जाये. उन्होंने कहा कि ऐसी कई गृहणियाँ हैं, जिन्हें नेट बैंकिंग एवं साईबर सिक्युरिटी से संबंधित जानकारी नहीं होती है, उनके लिए यह एक उपयोगी ज्ञानवर्धक कार्यक्रम होगा. अतः इन पाठ्यक्रमों के अलावा इच्छुक आमजन भी पंजीयन करा कर भाग ले सकते हैं.

नवाचार एवं कौशल विकास के इन कार्यक्रमों को इस ग्रीष्मकाल से आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया ने न सिर्फ दिशा निर्देश दिये हैं बल्कि इस बात की स्वतंत्रता दी है कि विश्वविद्यालय अपने स्तर पर बेहतर कार्यक्रमों का संयोजन करें, जिससे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ सागर नगर एवं आस पास के विद्यार्थियों के लिए भी इन कार्यक्रमों का लाभ मिले.

समिति के अध्यक्ष प्रो. विनोद भारद्वाज ने इन नवाचारपरक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर एक प्रजेंटेशन दिया, जिस पर समिति सदस्यों ने अपने सुझाव भी बैठक में रखे.

उन्होंने कहा कि सागर अंचल कृषि प्रधान अंचल है. यहां अधिकांश हिस्सों में खेती की जाती है. पारंपरिक खेती के साथ-साथ आजकल आर्गनिक खेती का चलन बढ़ रहा है. आर्गनिक फार्मिंग कैसे की जाये इसके लिए विश्वविद्यालय अपने विभागों के माध्यम से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है, जहां विद्यार्थी नवीन तकनीक के साथ-साथ आर्गनिक फार्मिंग को सीख सकते हैं. ये कौशल पाठ्यक्रम भी इस समर स्किल कार्यक्रम में शामिल किया गया है. प्रायः सभी अपने अपने घरों में बागवानी करते हैं. महानगरों में टैरिस गार्डनिंग का चलन है. इसको कैसे बेहतर ढंग से किया जा सकता है, इस स्किल को सिखाने के लिए भी एक कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है. जहां लाभार्थी टैरिस/किचन गार्डनिंग सीख सकते

है. विद्यार्थियों की अभिरूचि अपने पठन-पाठन के साथ-साथ गायन एवं वादन में होती है लेकिन उन्हें सही मार्गदर्शन नहीं मिल पाता है. इस कमी को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय अल्प कालिक कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर रहा है, जहां विद्यार्थी अपनी अभिरूचि के अनुरूप ऐसी विद्याओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे.

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जो परास्नातक में अध्ययनरत् हैं, उनके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नईदिल्ली द्वारा आयोजित होने वाली यूजीसी नेट परीक्षा, जिसके माध्यम से जे.आर.एफ. एवं सहायक प्राध्यापक के लिए पात्रता परीक्षा होती है, के लिए सारगर्भित मार्गदर्शन की प्रायः कमी रहती है, जिससे विद्यार्थी बेहतर प्रयासों के बाद भी सफल नहीं हो पाते हैं, इस कमी को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय यूजीसी नेट के साथ-साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें उसके लिए भी एक मार्गदर्शी कार्यक्रम बनाया है.

नवाचार एवं कौशल विकास की इन गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय में दिनांक 03 जून 2024 से पंजीयन हेतु लिंक उपलब्ध रहेगी तथा आनलाईन/ऑफलाईन कक्षायें 15 जून 2024 से आरंभ की जायेंगी.

विवि के केन्द्रीय पुस्तकालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मियों की हाजिरी बायोमेट्रिक से

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जवाहरलाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय में कार्यरत समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों की उपस्थिति दिनांक 03 जून 2024 दिन सोमवार से बायोमेट्रिक मशीन से ली जाएगी. इसके लिए सूचना जारी कर कर्मचारियों से बायोमेट्रिक मशीन में अंगूठा के निशान देने के लिए आवश्यक रूप से उपस्थित होने के निर्देश जारी किए गए है. समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को बायोमेट्रिक मशीन में अंगूठा के निशान देने हेतु जवाहरलाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय में दिनांक 31 मई 2024 को प्रातः 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे के मध्य आवश्यक रूप से उपस्थित होना अनिवार्य है.

सामुदायिक कार्यक्रम के तहत बरारू गांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म. प्र.) के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की ही भांति इस वर्ष भी सात दिवसीय सामुदायिक कार्य का आयोजन दिनांक 25-31 मई, 2024 तक किया जा रहा है. उक्त सात दिवसीय सामुदायिक कार्य में

बी.ए.बी.एड./बी.एस.सी.बी.एड. (4 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम) अष्टम सेमेस्टर के सभी छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकायें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, एवं पर्यावरण जागरूकता संबंधी विभिन्न कार्यों को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए विभिन्न गांवो यथा पथरिया जाट, सिरोंजा, बरारू, पटकुई और मेनपानी में संपन्न कर रहे है. सात दिवसीय सामुदायिक कार्य के छठे दिन ग्राम बरारू में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन बरारू ग्राम के पंचायत भवन में आयोजित किया गया. उक्त अवसर पर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक जैन द्वारा बरारू ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया. स्वास्थ्य

परीक्षण के पश्चात डॉ जैन के द्वारा लू से बचने के उपाय चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिए गए. उक्त अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग के सामुदायिक कार्य कार्यक्रम के समंवयक डॉ. अभिषेक कुमार प्रजापति सहित बी.ए.बी.एड./बी.एस.सी.बी.एड. (4 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम) के डॉ. हरीसिंह गौर समूह के सभी 24 सदस्य उपस्थित रहे. उक्त अवसर पर डॉ. हरीसिंह गौर समूह के सभी 24 सदस्य ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया और अंत में अतिथियों का धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया.

भावी शिक्षक को समाज से जुड़कर कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए - कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म. प्र.) के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की ही भांति ही इस वर्ष भी सात दिवसीय सामुदायिक कार्य का आयोजन दिनांक 25-31 फरवरी, 2023 तक किया गया. उक्त सात दिवसीय सामुदायिक कार्य

में बी.ए.बी.एड./बी.एस.सी.बी.एड. (4 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम) अष्टम सेमेस्टर के सभी छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकायें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, एवं पर्यावरण जागरूकता संबंधी विभिन्न कार्यों को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए विभिन्न गावों यथा पथरिया जाट, सिरोंजा, बरारू, पटकुई और मैनपानी में संपन्न किया. इस सात दिवसीय सामुदायिक कार्य के समापन समारोह का आयोजन शिक्षाशास्त्र विभाग में 31 मई, 2024 अपराह्न 01:00 बजे किया गया. उक्त समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया. उक्त अवसर पर बी.ए.बी.एड./बी.एस.सी.बी.एड. (4 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम) अष्टम सेमेस्टर के छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं द्वारा एक नाटक 'महिला सशक्तिकरण' के विषय पर प्रस्तुत किया गया और उसके बाद सामुदायिक कार्य के प्रतिवेदन को भी माननीया कुलपति के समक्ष प्रस्तुत किया गया. विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया ने शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा शुरू किये गए इस कार्यों की सराहना की और छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं को उनकी बेहतरीन प्रस्तुति हेतु उन्हें बधाई दी. कुलपति महोदय ने कहा कि शिक्षक समाज का ही व्यक्ति होता है अतः एक भावी शिक्षक को समुदाय के विभिन्न गतिविधियों से न सिर्फ परिचित होना चाहिए अपितु समाज में व्याप्त बुराइयों को जड़ से मिटाने का संकल्प भी लेना चाहिए. उक्त अवसर पर छात्राध्यापक/छात्राध्यापिकाओं द्वारा एक सामुदायिक स्वलापाहार का आयोजन किया गया. उक्त अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने अतिथियों का स्वागत किया. इस अवसर पर सात दिवसीय सामुदायिक कार्य के समंवयक डॉ. अभिषेक कुमार प्रजापति सहित विभाग के सभी शिक्षक और शोधार्थी मौजूद रहे. कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापिका सुश्री आयुषी कुमारी ने किया तथा अतिथियों का धन्यवाद और आभार व्यक्त विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने किया.

--------//---------

जीवन में सब कुछ एप्रॉक्सीमेशन पर निर्भर

विवि के गणित विभाग में पांच दिवसीय कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि ने कहा

नवभारत न्यूज

सागर 30 अप्रैल. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के रामानुजन संगोष्ठी कक्ष में एप्रॉक्सीमेशन टेक्निक टू सॉल्व प्रॉब्लम इन कंप्यूटेशनल फाइनेंस विषय पर समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ.

विभागाध्यक्ष प्रो. दिवाकर शुक्ला ने स्वागत वक्तव्य दिया. अधिष्ठाता प्रो. आरके गंगेले ने कार्यशाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कई जानकारियों को साझा किया. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यह कार्यशाला निश्चित रूप से प्रतिभागियों एवं विद्यार्थियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी. देश के कई प्रतिष्ठित और शीर्ष संस्थानों के विशेषज्ञों ने एक ऐसे विषय पर हमारे विद्यार्थियों और प्रतिभागियों को लाभान्वित किया जिसकी आने वाले समय में बहुत माँग है. उन्होंने कहा कि एप्रॉक्सीमेशन एक ऐसा विषय है जिसकी हमें हर पल जरूरत पड़ती है. प्राचीन समय से ही हम इस पद्धति का प्रयोग करते रहे हैं. नई तकनीक एवं आधुनिक प्रविधियों के संयोजन से भारतीय ज्ञान परम्परा और अधिक समृद्ध होगी इसलिए विद्यार्थी नवाचारी शोध करते हुए इसे आगे बढ़ाएं. मुख्य अतिथि प्रो. आरपी तिवारी ने कहा कि जीवन में सब कुछ एप्रॉक्सीमेशन पर निर्भर करता है. इसमें आधारभूत जानकारी, अनुमान जैसे चीजों का ज्ञान भी आवश्यक है. प्रो. आर के त्रिवेदी ने कहा कि यह कार्यशाला भारतीय ज्ञान पद्धति को संरक्षित रखते हुए नवीन ज्ञान विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस अवसर पर वाह्य विषय विशेषज्ञ प्रो. के. पाटीदार, प्रो. गजेन्द्र विश्वकर्मा ने भी संबोधित किया. उन्होंने कहाकि इस सीख को विद्यार्थी आगे बढ़ाएं और नए सिद्धांतों एवं मॉडल को विकसित करें. प्रतिभागियों की तरफ से डॉ. स्वीटी मिश्रा ने फीडबैक प्रस्तुत किया. आभार डॉ. आर. के. पाण्डेय ने ज्ञापित किया. संचालन शिवानी खरे ने किया. कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया. इस अवसर पर प्रो. एपी मिश्रा, प्रो. रणवीर कुमार, प्रो. डी के नेमा, डॉ संध्या पटेल, प्रो. सुशील काशव, डॉ. अभिषेक बंसल, डॉ. आर. के. पांडेय, डॉ. विवेक तिवारी आदि उपस्थित थे.

मजदूर के श्रम से ही संभव है राष्ट्र की समृद्धि और श्रेष्ठता : कुलपति

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में अभिमंच सभागार में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष प्रो. पी. एस. काम्बले ने दिया. अयोजन सचिव डॉ. वीरेंद्र मटसेनिया ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमें देश के आर्थिक विकास के लिए मजदूरों की जितनी हो सके सराहना करनी चाहिए तभी हम भारत जैसे विशाल देश की आधारभूत संरचना में मजदूरों के योगदान को समझ पाएंगे। आज हमें उनकी प्रासंगिकता को याद कर उनके लिए विशेष कार्य करने की आवश्यकता है तभी वे अपना खुशहाल जीवन जी सकेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में आज हम जिस अभिमंच सभागार में कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं उसकी नींव भी मजदूरों द्वारा ही रखी गई है। हम इस दिवस को मेहनतकश मजदूरों के योगदान के रूप में मना रहे हैं। हम मजदूरों के योगदान को देखते हुए उन्हें मजदूर और मजबूर नहीं कह सकते क्योंकि उनका राष्ट्र निर्माण में बहुत ही अभिन्न योगदान है। देश और दुनिया में जितना भी आधारभूत संरचनाओं का विकास हुआ है उसमें मजदूरों का ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है. किसी भी श्रेष्ठ राष्ट्र के सौन्दर्य की नींव में मजदूरों का श्रम ही है. देश के विकास की नींव मजदूरों के कधों पर ही टिकी है. इसलिए मजदूरों के कल्याण हेतु हम सबको संयुक्त रूप से प्रयास करना होगा तभी हम उनके योगदान की सार्थकता को प्रमाणित करने में सफल हो सकेंगे। मजदूर का श्रम ही राष्ट्र की समृद्धि और श्रेष्ठता का आधार है।

लोकतंत्र के समर्थ ध्वजवाहक हैं छात्र : कुलपति

सागर(एसबीन्यूज)। डॉक्टर हरीसिंह विश्वविद्यालय, सागर एवं जिला प्रशासन सागर के संयुक्त तत्तवावधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर दीपक आर्य, जिला पंचायत सीईओ पीसी शर्मा, अपर कलेक्टर अदिति यादव, उप जिला मजिस्ट्रेट भव्या त्रिपाठी, विजय डहेरिया, स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. अमर जैन उपस्थित थे. देवी सरस्वती एवं डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि मतदान एक लोकतांत्रिक अधिकार है जिसके प्रयोग से हम अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के साथ-साथ एक लोकतांत्रिक समाज और देश के निर्माण के साथ ही एक लोकतांत्रिक चेतना के निर्माण के प्रति आश्वस्त हो सकते हैं. सभी नवनिर्वाचित छात्र-प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब अपनी मेधा के आधार पर चयनित हुए हैं और आठ हजार विद्यार्थियों के प्रतिनिधि के रूप में होने के कारण लोकतंत्र को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती है।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आमतौर पर भारतीय समाज का हर नागरिक चुनावी चर्चा में भाग लेता है. चुनावी चर्चा में दिलचस्पी यह बताती है कि नागरिक अपने देश, समाज और नेतृत्व के प्रति जागरूक है. लेकिन साथ ही हर नागरिक की एक विशेष जिम्मेदारी भी है कि वह मतदान के अधिकार का पूरा उपयोग करे. हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हम सभी सौ प्रतिशत मतदान के लिए अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करें और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करें. वर्तमान में हो रहे चुनावों में कम मतदान पर चिंतन आवश्यक है. उन्होंने छात्र प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र लोकतंत्र के सच्चे ध्वजवाहक हैं. सभी छात्र प्रतिनिधि लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में भी अपना उत्तरदायित्व निभाएं और छात्र समुदाय, परिवार और समाज में मतदान करने के लिए लोगों को प्रेरित करें. आगामी चुनाव की तारीख सात मई को ध्यान में रखये हुए मिशन मोड में लोगों तक सन्देश पहुंचाएं. इस कार्य में जिला भी संलग्न है जिनका सहयोग लगातार मिल रहा है. कुलपति ने उपस्थित सभी लोगों को मतदाता शपथ भी दिलाई।

जिला पंचायत सीईओ पीसी शर्मा ने विश्वविद्यालय छात्र प्रतिनिधियों से अपील की कि मतदान के लिए लोगों को प्रेरित करें जिससे मतदान प्रतिशत में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ लोकतंत्र के पर्व में नागरिक समाज की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी भी सुनिश्चित हो. कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. आभार सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने ज्ञापित किया.

गुइंयाँ चलो छैयां-छैयां चुनाव करूँ............

विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने दी मतदान केन्द्रित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

सागर शहर के कई विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मतदान केन्द्रित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं. शैलेश मेमोरियल स्कूल की छात्राओं ने चलो मतदान करेंगे गीत पर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी. कन्या महाविद्यालय ने लोकगीत की धुन पर मतदान गीत गुइंयाँ चलो छैयां-छैयां चुनाव करूँ पर आकर्षक प्रस्तुति दी. सीएम राइज स्कूल की छात्राओं ने गीत सागर सारा, जनमानस ने ठाना है, है मतदान अधिकार हमारा, जन-जन को समझाना है पर नृत्य की प्रस्तुति दी. विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सीईओ पीसी शर्मा द्वारा रचित गीत जय मतदाता, जय-जय मतदाता गीत पर नृत्य प्रस्तुति दी. जिला कलेक्टर दीपक आर्य एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं के समूह को पुरस्कृत किया।

समूह नृत्य प्रतियोगिता से दिया मतदान करने का संदेश

भास्कर संवाददाता | सागर

कार्यक्रम के दौरान नृत्य करती हुईं छात्राएं।

मतदान बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन एवं डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मतदाता जागरूकता गीतों पर आधारित प्रतियोगिता कराई गई। मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य रहे। अध्यक्षता कुलपति डॉ. नीलिमा गुप्ता ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिला नोडल अधिकारी स्वीप पीसी शर्मा, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, एआरओ विजय डहेरिया, संयुक्त कलेक्टर अदिति यादव, डिप्टी कलेक्टर भव्या त्रिपाठी रहे। कुलपति डॉ नीलिमा गुप्ता ने कहा मतदान किसी भी देश के लिए गर्व का विषय होता है। विश्व में अनेक ऐसे देश रहे हैं जिन्होंने लिंग के आधार पर मतदान में भेदभाव किया है। भारतीय लोकतंत्र ने स्वतंत्रता के बाद ही समानता के अधिकार के आधार पर मतदान का अधिकार दिया है। भारतीय लोकतंत्र में प्रत्येक 5 साल बाद आने वाले चुनाव को हम पर्व के रूप में मनाते हैं।

चुनाव के समय में प्रत्येक युवा अपने ग्रुप में, प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी ऑफिस में समय मिलने पर चुनाव की चर्चा करते है, लेकिन मतदान वाले दिवस पर सामान्य कारण आने पर भी मतदान करने की प्राथमिकता बदल देते है। पीसी शर्मा ने कहा कि मतदान में सबसे महत्वपूर्ण मतदाता होता है इसलिए मतदाता का यह कर्तव्य है कि वह अपने मतदान के अधिकार को पूरी सजगता के साथ निभाएं। प्रोफेसर जेडी शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है अर्थात सर्वाधिक ऊर्जा का सकारात्मक कार्यों के लिए प्रयोग करें।

सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में सीएम राइज स्कूल प्रथम, शैलेष मेमोरियल द्वितीय तथा शासकीय कन्या महाविद्यालय तृतीय स्थान पर रहे। कलेक्टर दीपक आर्य ने जिला प्रशासन की ओर से विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मतदाता जागरूकता के गीतों पर विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ अमर कुमार जैन तथा आनंद मंगल बोहरे ने किया। संचालन डॉ आशुतोष मिश्रा ने किया।

डॉ. हरीसिंह गौर विवि में पीजी कोर्स में प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल खुला

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विवि में विभिन्न स्नातकोत्तर (पीजी) पाठयक्रमों में प्रवेश लेने के लिए समर्थ का पंजीयन पोर्टल खुल गया है। पंजीयन की अंतिम तिथि 10 मई है। इच्छुक आवेदक जो NTA-CUET PG द्वारा ली गई प्रवेश परीक्षा में शामिल होकर अंक प्राप्त कर चुके हैं, केवल वे ही पंजीयन के पात्र हैं। ऐसे आवेदक https:// dhsgsucuet.samarth.edu.in/pg/ लिंक पर जाकर पंजीयन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। पोर्टल पर पंजीयन शुल्क 200 रुपए है। काउंसलिंग की तिथि विवि की वेबसाइट पर बाद में अपडेट की जाएगी।

डॉ. हरीसिंह गौर विवि के विधि विभाग के 7 विद्यार्थी बने एडीपीओ

सागर | मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सहायक लोक अभियोजन अधिकारी भर्ती परीक्षा 2021 का रिजल्ट जारी कर दिया है। इसमें डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के सात विद्यार्थियों का चयन हुआ है। ये सभी विधि विभाग के विद्यार्थी हैं। इनमें आदित्य सोनी, अनिल साहनी, आकर्ष मिश्रा, अरविंद पटेल, पुष्पा यादव, अंकुर गौतम, फरहीन खान आदि का चयन हुआ है।

देश का पहला केंद्र: कोर्स करने के बाद शिक्षक और प्रोफेसर के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में भी ले सकेंगे भाग

विवि के वैदिक विभाग में भारत की प्राचीन संस्कृति, ज्ञान और अखंडता को समझेंगे विद्यार्थी

एक्सक्लूसिव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा को संरक्षित रखने के उद्देश्य से वैदिक अध्ययन विभाग की स्थापना की है। 12वीं की पढ़ाई के बाद विद्यार्थी इसमें डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा इस साल से विभाग में पीएचडी भी शुरू करा दी गई है। वैदिक अध्ययन से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी भारत की प्राचीन संस्कृति, ज्ञान की वास्तविकता और अखंडता को समझेंगे। विवि के अनुसार इस कोर्स को करने के बाद विद्यार्थी आसानी से शिक्षक और प्रोफेसर बन सकेंगे, तो एसएससी, पीएससी, एमपी-पीएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी भाग ले सकेंगे।

विश्वविद्यालय के अनुसार वैदिक अध्ययन विभाग भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन के लिए समर्पित विभाग है। इसमें स्नातक की कुल 40 सीट हैं। विवि का दावा है वैदिक अध्ययन नाम से यह देश का पहला विभाग है। तो मध्यप्रदेश का एक मात्र विभाग है। दिल्ली यूनिवर्सिटी और बीएचयू में भी इस तरह के कोर्स शुरू हुए हैं, लेकिन उनकी प्रकृति भिन्न है। यहां डिप्लोमा और सर्टिफिकेट सीधी भर्ती से कर सकते हैं, वहीं डिग्री और पीएचडी के लिए एंट्रेंस एग्जाम पास करना होगा।

क्या होगा वैदिक अध्ययन विभाग में

भारतीय गणित, भारतीय विज्ञान, आयुर्वेद, श्रीमद् भगवद् गीता में आत्म-प्रबंधन, उपनिषदों में निहित ज्ञान, चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास से युक्त भारतीय शिक्षण पद्धति, भारतीय दर्शन की वैज्ञानिकता, वैदिक गणित, महर्षि पतंजलि प्रणीत योग जैसे अनेक विषयों का समावेश इन पाठ्यक्रमों में समुचित रूप से किया गया है।

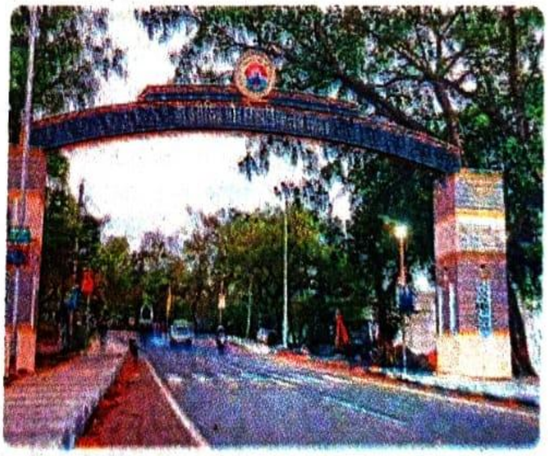

वैश्विक समस्याओं का निदान उद्देश्य

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप इस विभाग का प्रमुख उद्देश्य कला, विज्ञान व वाणिज्य जैसी विभाजक धाराओं से परे अंतः विषयक और बहु विषयक समझ को विकसित करना। भारतीय ज्ञान को तार्किक और वैज्ञानिक रूप से स्थापित करके वैश्विक समस्याओं का निदान प्रस्तुत करना है।

शहर में लगाए गए योग शिविर

नवभारत न्यूज

सागर 3 मई. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा आगामी दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारियों के तहत सागर शहर में विभिन्न स्थानों पर दस दिवसीय योग शिविरों का आयोजन प्रारंभ कर दिया है.

योग शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. भवतोष इंद्र गुरू ने बताया कि आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बृहद स्तर पर मनाने की तैयारियाँ भी प्रारंभ कर दी गई हैं. विश्वविद्यालय के बालक एवं बालिका छात्रावासों के अतिरिक्त जिला अस्पताल तिली, केंद्रीय विद्यालय 1, 2 व 4, गुरुकुल शिशु मंदिर मकरोनिया, आर्मी पब्लिक स्कूल, केन्द्रीय जेल में पुरूष एवं महिला बंदियों के लिये दो शिविर, कबीर वाटिका मकरोनिया, संस्कृत पाठशाला धर्मश्री, एजु हील एकेडेमी, मदर टेरेसा इंग्लिश मिडियम स्कूल रिमझिरिया, संजीवनी अनाथालय व चन्द्रा पार्क सिविल लाइन्स में दस दिवसीय योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है.

7 मई को बंद रहेगा विवि ताकि विद्यार्थी, कर्मचारी कर सकें मतदान

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय 7 मई को बंद रहेगा। 7 मई को सागर लोकसभा क्षेत्र में मतदान होना है। विवि में कार्यरत शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारियों के साथ ही अध्ययनरत विद्यार्थी अपने मताधिकार का प्रयोग आसानी से कर सकें इसीलिए विवि बंद रखने का निर्णय लिया गया है। विवि प्रशासन द्वारा जारी की गई सूचना में बताया गया है कि भारत सरकार के कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय कार्यालय के पत्र के अनुक्रम में लोकसभा निर्वाचन के चलते 7 मई को विवि बंद रहेगा।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एनसीसी की कर्नल कमांडेंट की मानद रैंक

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एनसीसी के मानद कर्नल कमांडेंट रैंक से विभूषित किया गया है। भारत सरकार द्वारा 13 अप्रैल को प्रकाशित गजट में देश के 19 कुलपतियों को मानद कर्नल रैंक प्रदान दिए जाने की घोषणा की गई है। जिसमें मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ जोन से कुलपति प्रो. गुप्ता को यह रैंक दी गई है। कुलपति पद के कार्यकाल तक विवि में कर्नल कमांडेंट पद के रूप में उनकी नियुक्ति भी की गई है। गौरतलब है वर्ष 2024 में देश भर में शिक्षा के क्षेत्र की 50 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में भी कुलपति प्रो. गुप्ता का नाम शामिल हुआ है।

कुलपति को एनसीसी के मानद 'कर्नल कमांडेंट' रैंक की पदवी

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एनसीसी के मानद 'कर्नल कमांडेंट' रैंक की पदवी दी गई है। भारत सरकार द्वारा 13 अप्रेल को प्रकाशित गजट में देश भर के 19 कुलपतियों को मानद कर्नल रैंक प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। जिसमें मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ जोन से कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को यह रैंक प्रदान की गई है। कुलपति पद के कार्यकाल तक विश्वविद्यालय में कर्नल कमांडेंट पद के रूप में नियुक्ति भी की गई है। वर्ष 2024 में देश भर में शिक्षा के क्षेत्र की 50 सबसे प्रभावशाली महिलाओं में भी कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम शामिल हुआ है। प्रख्यात प्राणिशास्त्रवेत्ता प्रो. गुप्ता को जंतु विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है।

वर्ल्ड लाफ्टर डे पर विद्यार्थियों ने दी हास्य प्रस्तुति

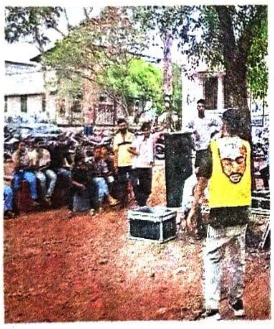

लाफ्टर डे पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के हैप्पीनेस सेंटर और सांस्कृतिक परिषद के तत्त्वावधान में रविवार को वर्ल्ड लाफ्टर डे के अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

नाट्यकला विभाग परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में हास्य कविताएं सुनाईं। शोध छात्र राघवेंद्र ने बुंदेली हास्य कविता का पाठ किया जिस पर खूब ठहाके लगे। इस दौरान हिमांश करारे, गोलू कुशवाहा, विधान चौबे, गार्गी दुबे, अनुराग यादव, आयुर्मान श्रीवास्तव ने कई तरह संगीतमयी प्रस्तुतियां दीं। आर्केस्ट्रा में विभिन्न वाद्यों के संचालन में अतुल पथरोल, संजय कोरी, विधान चौबे, सुमित, बालमुकुंद आदि ने सहयोग किया।

कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. राकेश सोनी ने किया। इस अवसर पर डा. आशुतोष, डा. विवेक जायसवाल, कलाकार सचिन नायक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

नई शिक्षा नीति आत्मनिर्भर, सशक्त, समृद्ध और सुरक्षित भारत की नींव है: मिश्र

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने की राजस्थान के राज्यपाल से मुलाकात

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारी कन्हैयालाल बेरवाल ने गुरूवार को राजभवन में राजस्थान के राज्यपाल राज्यपाल कलराज मिश्र से राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मप्र के प्रथम केंद्रीय विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में किए गए क्रियान्वयन एवं शैक्षिक गुणवत्ता के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सन्दर्भ में चर्चा करते हुए उन्होंने यह कहा कि देश में बहुत ही दूरदर्शिता के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अमली जामा पहनाया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 केवल एक नीतिगत दस्तावेज नहीं है, बल्कि भारत के शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले सभी शिक्षार्थियों, शिक्षाविदों और नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब हैं। नई

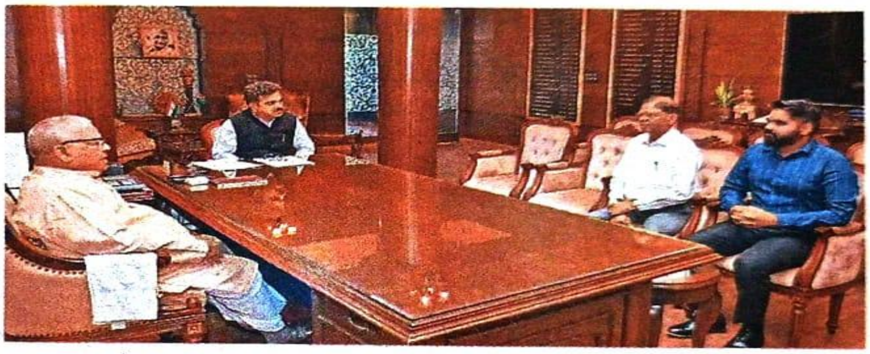

राज्यपाल से मुलाकात करते हुए डा. हरीसिंह गौर विवि के कुलाधिपति। • नवदुनिया

शिक्षा नीति आत्मनिर्भर, सशक्त, समृद्ध और सुरक्षित भारत की नींव है और यह शिक्षा नीति हर बच्चे तक पहुंचकर उसका भविष्य संवारने का एक सशक्त माध्यम है।

देश के विवि को एकजुट होकर कार्य करना होगा

उच्च शिक्षा में शोध, अनुसन्धान और अकादमिक उत्कृष्टता के साथ देश के विवि को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उच्च शिक्षा में नवाचारों की बढ़ती भूमिका से ज्ञान और कौशल में वृद्धि होगी। विवि इस दिशा में प्रयासरत है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी बिंदुओं का समावेश कर शैक्षणिक उन्नयन किया जाए। विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इस अवसर पर भूपेन्द्र बेरवाल एडवोकेट राज. उच्च न्यायालय, जयपुर एवं निदेशक उत्कर्ष ग्रुप आफ़ इंस्टीटूशन, बांसवाड़ा भी उपस्थित थे।

डुअल डिग्री प्रोग्राम में बढ़ रहा विद्यार्थियों का रुझान

इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम में स्नातक के साथ ही हो जाएगी टीचर एजुकेशन की डिग्री

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विवि के शिक्षा विभाग में उपलब्ध डुअल डिग्री प्रोग्राम को विद्यार्थियों का रुझान बढ़ रहा है। इसकी वजह चार वर्षीय इंटीग्रेटिड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आइटीइपी) में स्नातक के साथ-साथ टीचर एजुकेशन की डिग्री दोनों एक साथ हो जाएंगी। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन भी हो चुके हैं, अब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी) के आधार पर विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि इस तरह के पाठ्यक्रमों की शुरूआत भी डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय से ही हुई थी, जो आज अधिकांश केंद्रीय विवि में संचालित हो रहे हैं।

तीन पाठ्यक्रम में 150 सीटें उपलब्ध

विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने बताया कि पाठ्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। चार वर्षीय इंटीग्रेटिड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आइटीइपी) के तहत संचालित तीन पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 50-50 सीटों को मिलाकर कुल 150 सीटें उपलब्ध हैं।

क्या है आइटीइपी: इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम चार साल का डुअल डिग्री प्रोग्राम है। अभी तक विद्यार्थी सामान्य बीए, बीएससी, बी-कॉम करते थे, लेकिन इन आइटीइपी में विद्यार्थियों की बीए के साथ बीएड, बीएससी के साथ बीएड, और बीकॉम के साथ बीएड की डिग्री एक साथ हो जाएगी। विवि के अनुसार आइटीइपी कोर्स के लिए कम से कम 12वीं पास होना चाहिए। इस कोर्स के जरिए विद्यार्थी आठ सेमेस्टर यानी चार साल में ही स्नातक डिग्री और टीचर एजुकेशन डिग्री दोनों एक साथ कर सकेंगे।

टीचर एजुकेशन एक पॉपुलर पाठ्यक्रम है। इसमें कई बदलाव भी किए गए हैं। रोजगार की दृष्टि से युवाओं के लिए चार वर्षीय आइटीइपी पाठ्यक्रम एक अच्छा विकल्प है।

प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

विश्व एथलेटिक्स दिवस पर स्पर्धाएं आयोजित

सागर | डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा विश्व एथलेटिक्स दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/ छात्राओं के लिए विभिन्न एथलेटिक्स इवेंट का आयोजन विवि के अब्दुल गनी खान स्टेडियम में किया गया। युवाओं में एथलेटिक्स के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से आयोजित इन इवेंट में विवि के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। आयोजन के दौरान गोला फेंक, 400मी, 50 मीटर स्प्रिंट एथलेटिक्स इवेंट संपन्न हुए। इसके अतिरिक्त बीपीईएस के छात्र/ छात्राओं द्वारा सर्किट ट्रेनिंग के अन्तर्गत व्यायाम का प्रदर्शन किया गया।

400 मीटर दौड़ (पुरुष) में प्रथम नरेंद्र उईके, दूसरे स्थान पर धर्मेंद्र अहिरवार तथा तीसरे स्थान रोहित लोधी रहे। इसी प्रकार 400 मीटर दौड़ (महिला वर्ग) सिमरन, मुस्कान जड़िया, जया विजेता रहीं। 50 मीटर स्प्रिंट (पुरुष) में पुष्पेंद्र अहिरवार, धर्मेंद्र, देवेंद्र सेन विजेता रहे, वहीं 50 मीटर स्प्रिंट (महिला वर्ग) में वैष्णवी तिवारी, उन्नति सेन, सिमरन विजेता रहीं। गोला फेंक (पुरुष) में ऋषभ तिवारी, अरुण, देवेंद्र सेन और गोला फेंक (महिला) वर्ग में उन्नति सेन, विशाखा, वैष्णवी तिवारी ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ईएमआरसी के निदेशक डॉ पंकज तिवारी शामिल हुए। अध्यक्षता निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ विवेक बी साठे ने की। बीपीईएस की छात्रा सिमरन ने विश्व एथलेटिक्स डे पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम संचालन महेंद्र कुमार ने किया। आभार डॉ सुमन पटेल ने माना। इस अवसर पर अनवर ख़ान, रंजन मोहंती, डॉ मनोज जैन, दीपक दुबे, अनिल ब्राह्मणकर, प्रकाश पटेल, हिम्मत सिंह उपस्थित रहे।

विवि : पीएचडी प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट घोषित, 603 में से 320 पास

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के पीएचडी प्रोग्राम 23-24 का परीक्षाफल घोषित कर दिया गया है। परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. दिवाकर शुक्ला ने बताया कि प्रवेश परीक्षा 36 विषयों में अप्रैल माह में हुई थी। परीक्षा में कुल 603 परीक्षार्थियों ने भाग लिया था।

इनमें से कुल 320 परीक्षार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। यूजीसी नेट परीक्षा पास आवेदकों को प्रवेश परीक्षा से छूट है। उन्हें सीधे साक्षात्कार में उपस्थित होना होगा। साक्षात्कार शैक्षणिक विभागों द्वारा मई और जून माह में आयोजित किए जाएंगे।

कॉलेजों में यूजी-पीजी के प्रवेश पंजीयन शुरू : शासकीय और अशासकीय कॉलेजों में सत्र 2024-25 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन शुरू हो गए हैं। रजिस्ट्रेशन 20 मई तक होंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार दस्तावेजों का सत्यापन 21 मई तक होगा। पहले चरण का सीट आवंटन 25 मई तक होगा। आवंटित कॉलेज में प्रवेश शुल्क का भुगतान 25 मई से 3 जून तक हो सकेगा। प्रवेश के लिए इच्छित महाविद्यालय के अपग्रेडेशन का विकल्प भरने का काम 25 मई से 3 जून तक विद्यार्थी कर सकेंगे। ई-प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश लेने के बाद कॉलेजों में दस्तावेज भी जमा करने होंगे।

पोस्टर विमोचन ▶ **शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता**

भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों की वैज्ञानिक विवेचना दुनिया के पटल पर रखेंगे

नवभारत न्यूज

सागर 9 मई. भारतीय शिक्षण मंडल के युवा आयाम द्वारा आयोजित शोध-पत्र लेखन प्रतियोगिता जो कि विजन फॉर विकसित भारत थीम पर आधारित है, के शोध लेखन प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता के द्वारा किया गया.

इस अवसर पर कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा कि युवा पीढ़ी के शोध और अनुसंधान संवर्धन में उच्चतम वृद्धि भी निश्चित रूप से सुनिश्चित होगी. इसके माध्यम से हम सभी हमारे भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्यों की वैज्ञानिक विवेचना समाज और देश विदेश के पटल में रखने में सफल होगे. इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल की सागर विस्तारक काजल पांडेय, महाकौशल प्रांत के अनुसन्धान प्रकोष्ठ के सहप्रमुख प्रो. सुशील कुमार काशव, प्रांत सहसंपर्क प्रमुख संतोष सोहगौरा, विश्वविद्यालय इकाई प्रांत सहप्रमुख डॉ.संदीप शुक्ला, महाकौशल प्रांत कार्यकारिणी सदस्य व जिला सागर के अध्यक्ष डॉ.राजू टंडन, जिला मंत्री अनुराग ब्रजपुरिया, विश्वविद्यालय इकाई सह संयोजक डॉ. देवकी नंदन शर्मा, जिला सागर की जिला युवा आयाम प्रमुख डॉ.अपर्णा श्रीवास्तव एवं जिला अनुसंधान प्रकोष्ठ डॉ. विजयश्री सूर्यवंशी आदि कार्यकर्ताओ ने अपनी सहभागिता प्रदान की .

दिव्यांगजनों के लिए अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन आज

सागर, आचरण। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जवाहर लाल नेहरू सेंट्रल लाइब्रेरी और एसईडीजी सेल के संयुक्त तत्वावधान में विवि के सेंट्रल लाइब्रेरी में दिव्यांगजनों के लिए विशिष्टिकृत अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन नवनिर्मित रंगनाथन भवन में 10 मई 2024 प्रातः 10.00 बजे से माननीय कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित होगा. इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर, लखनऊ के प्रो. हरिशंकर सिंह, इग्नू, नई दिल्ली से प्रो. नीरा कपूर एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज की प्रो. इंदु गोयल उपस्थित रहेगी।

हैंडबॉल प्रतियोगिता में विवि का विजयी

जागरण, सागर। महात्मा गांधी विश्वविद्यालय कोट्टयम द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय हैंडबॉल पुरुष प्रतियोगिता में डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का पहला मैच वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा बिहार के साथ खेला गया। विश्वविद्यालय की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए आरा विश्वविद्यालय को 19-18 गोल से शिकस्त दी। सागर के खिलाड़ी रमेश चौधरी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 6 गोल दागे। नागेंद्र सिंह ने 5, कुलदीप एवं भास्कर पांडेय ने 3-3 गोल, ज्ञानेन्द्र व मनीष ने 1-1 गोल किया। गोलकीपर अमन दुबे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल बचाए। डॉ.गौर विवि की टीम ने पहली बार आल इंडिया टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया है।

लोक संस्कृति एवं परंपराओं का संरक्षण आवश्यक: कुलपति

सागर, देशबन्धु। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, भारतीय विश्वविद्यालय संघ एवं अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में दीक्षांत समारोहों में भारतीय परंपराओं का पालन विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल भाई कोठारी के मार्गदर्शन में हुई। इस अवसर पर एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. सीताराम, एआईयू सेक्रेटरी जनरल प्रो. पंकज मित्तल, डॉ. हरीसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, गुरु घासीदास केंद्रीय विवि बिलासपुर के कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल उपस्थित एवं देश के कई संस्थानों के कुलपति सम्मिलित हुए। तकनीकी सत्र में 14 संस्थानों के प्रमुखों ने अपनी बात रखी। प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विगत दिनों आयोजित किये गए विवि के दीक्षांत समारोह की कुछ झलकियां प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा एवं लोक संस्कृति को संरक्षित किया जाना आवश्यक है। दीक्षांत समारोह में आमंत्रण पत्र में हिंदी भाषा में प्रयोग होना चाहिए तथा वेशभूषा भारतीय होनी चाहिए। दीक्षांत समारोह में शिक्षाविदों की उपस्थिति से हमें उनके ज्ञान एवं अनुभव का लाभ मिलता है। डॉ. हरीसिंह गौर विवि बुंदेलखण्ड क्षेत्र में स्थित है जिसमें 25 राज्यों के छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। छात्रों की अपनी स्थानीय वेशभूषा अलग-अलग हो सकती है लेकिन विवि बुंदेलखंड की क्षेत्रीय एवं लोक संस्कृति एवं परंपरा के अनुसार सम्पूर्ण दीक्षांत समारोह बुन्देली वेशभूषा के साथ ही आयोजित करता है। लोक परम्परायें इस तरह के क्रियाकलापों एवं गतिविधियों से भी संरक्षित होगीं। प्रो. आलोक चक्रवाल ने कहा कि देश की गौरवशाली ज्ञान परंपरा की जानकारी देना जरूरी है। हम भारतीयता को संपूर्णता में अंगीकार करें। प्रो. सीताराम ने कहा कि एकता के लिए दीक्षांत समारोह में भारतीयता जरूरी है। सहभागियों के साथ चर्चा सत्र का भी आयोजन हुआ। इस अवसर पर विवि प्रतिनिधि के रूप में अकादमिक अफेयर्स निदेशक प्रो. नवीन कानगो एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय उपस्थित थे।

केंद्र का शुभारंभ | **दिव्यांगजनों के अधिगम संस्थान केंद्र बनाया गया विश्वविद्यालय में**

आधुनिक विश्व स्तरीय केंद्र के रुप में पहचान बनायेगा केंद्र: प्रो. गुप्ता

नवभारत न्यूज

सागर 10 मई. डॉ. हरीसिंहगौर विवि केन्द्रीय पुस्तकालय और एसईडीजी सेल के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांग जनों के लिए विशिष्टि कृत अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन नवनिर्मित रंगनाथन भवन में किया गया.

अध्यक्षता कर रही विवि की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज हम एक ऐसे कार्यक्रम के साक्षी हो रहे हैं जो न सिर्फ समाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग के अधिगम-संसाधनों की सम्पन्नता का द्योतक है अपितु यह ऐसे विश्वास, उम्मीद एवं समावेशन का माध्यम है जो सामाजिक न्याय एवं समावेशी समाज के निर्माण की आवश्यक बुनियाद भी है. यह केंद्र भविष्य में दिव्यांग विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं सामाजिक पुनर्वास हेतु एक आधुनिक विश्वस्तरीय केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा इस हेतु विश्वविद्यालय सभी प्रकार के निर्णयों एवं संसाधनों को पूर्ति हेतु प्रतिबद्ध है.

कार्यक्रम में स्वागत भाषण एसईडीजी प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने दिया. डॉ. नवीन सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में इस केंद्र में कंप्यूटर लैब, रीडिंग स्पेस, ब्रेल प्रिंटर, ब्रेल बुक सेक्शन, किबो डिवाइस, सुगम्य पुस्तकालय जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु लगभग 10 लाख पुस्तकों की उपलब्धता, हाईस्पीड इंटरनेट के साथ उपलब्ध है. कार्यक्रम में पुस्कालयाध्यक्ष टीए मोहन एवं संचालन डॉ. रजनीश अग्रहरि ने किया. इस अवसर पर प्रो. एडी शर्मा, अकादमिक निदेशक प्रो. नवीन कानगो, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, प्रो. राजेंद्र यादव, प्रो. कलि नाथ झा डॉ. हिमांशु कुमार डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. आशुतोष, डॉ. अरुण साव, डॉ. रानी दुबे, डॉ. रश्मि जैन मौजूद रहीं.

आयोजन विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन

अद्भुत प्रतिभा एवं विशिष्ट क्षमता के धनी होते हैं दिव्यांग : कुलपति

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जवाहर लाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय और एसइडीजी सेल के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी में शुक्रवार को दिव्यांगजनों के लिए विशिष्टिकृत अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विवि की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज हम एक ऐसे कार्यक्रम के साक्षी हो रहे हैं जो न सिर्फ समाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग के अधिगम-संसाधनों की सम्पन्नता का द्योतक है। यह ऐसे विश्वास, उम्मीद एवं समावेशन का माध्यम है जो सामाजिक न्याय एवं समावेशी समाज के निर्माण की आवश्यक बुनियाद भी है। मैं मानती हूं कि ये दिव्यांगजन सामान्य से अलग न होकर दिव्य अंग वाले व्यक्तित्व के रूप में हमारे मध्य समादृत हैं, जिनके पास दुनिया के कठिन से कठिनतम कार्य करने की क्षमता एवं हौसला होता है। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के प्रो. हरिशंकर सिंह, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर, लखनऊ, प्रो. नीरा कपूर, इग्नू एवं प्रो. इंदु गोयल इलाहबाद विवि मौजूद थे।

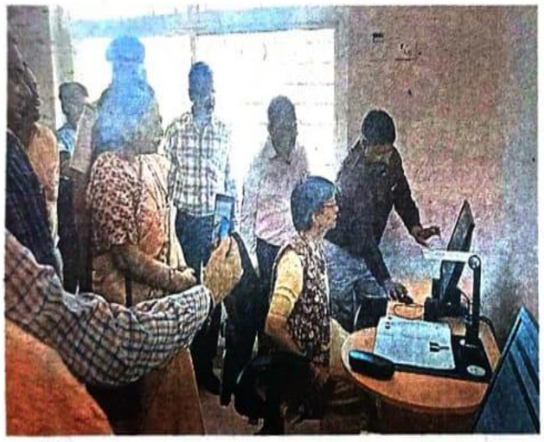

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए अधिगम-संसाधन केंद्र का कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने उद्घाटन किया। ● नवदुनिया

विवि ने सबसे पहले किया एसइडीजी प्रकोष्ठ का गठन

एसइडीजी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने बताया कि यूजीसी के सुझावों के अनुरूप विवि ने सबसे पहले एसइडीजी प्रकोष्ठ का गठन किया। यह प्रकोष्ठ न सिर्फ दिव्यांगजनों अपितु अपवंचित वर्ग के सभी जैसे- अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला, थर्ड जेंडर इन सभी के शैक्षिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु कार्य करेगा और समावेशी समाज के निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान प्रदान करेगा। डा. नवीन सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में इस केंद्र में कंप्यूटर लैब, रीडिंग स्पेस, ब्रेल प्रिंटर, ब्रेल बुक सेक्शन, किबो डिवाइस, सुगम्य पुस्तकालय जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु लगभग 10 लाख पुस्तकों की उपलब्धता, हाइस्पीड इंटरनेट के साथ उपलब्ध है। कार्यक्रम में धन्यवाद पुस्कालयाध्यक्ष टीए मोहन एवं संचालन डा. रजनीश अग्रहरि ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा, अकादमिक निदेशक प्रो. नवीन कानगो, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डा. एसपी उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, प्रो. राजेंद्र यादव आदि मौजूद थे।

मातृ दिवस

जन्म और पुनर्जन्म की अविरल गाथा है मां

● प्रो. नीलिमा गुप्ता

रुडयार्ड किपलिंग के शब्दों में भगवान हर जगह नहीं हो सकते, इसलिए उन्होंने मां को बनाया। बच्चे को मनपसंद भोजन देना, खुद भूखे रहकर बच्चे के मुंह में निवाला देना, तेज धूप में बच्चे को आंचल में छुपा लेना, सर्द हवाओं में बच्चे को अच्छी तरह लपेट लेना, बीमार होने पर रातें जागते हुए बिता देना, इन सब गुणों के कारण हर बच्चे को मां में भगवान का रूप नजर आता है। यही वजह है कि हर खुशी और हर गम में बच्चे के मुंह से एक ही शब्द निकलता है- मां। मां है तो सब मुमकिन है। इन्हीं भावनाओं को लेकर मदर्स डे यानी मातृ दिवस मनाया जाता है। मातृत्व का सम्मान करने वाला यह दिन दुनिया भर में अलग-अलग रूपों में मनाया जाता है। कवि-लेखिका व कार्यकर्ता जूलिया वार्ड होवे के विचारों से वर्ष 1872 में अमेरिका में मदर्स डे को एक आधिकारिक कार्यक्रम के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था। उन्होंने 2 जून को शांति कार्यक्रम के रूप में मातृ दिवस और 2 जून के रविवार को मातृ शांति दिवस मनाने का सुझाव दिया था। मदर्स डे का अमेरिकी अवतार औपचारिक रूप से 1908 में अन्ना जार्विस द्वारा बनाया गया। 1908 में एना जार्विस ने वेस्ट वर्जीनिया के ग्राफ्टन में सेंट एंड्रयूज मेथोडिस्ट चर्च में अपनी मां के लिए एक स्मारक बनवाया जो अब अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस के लिए तीर्थस्थल है। यह दिवस मातृत्व का सम्मान करने के साथ-साथ बच्चों के प्रति मातृ बंधन को बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। हालांकि मदर्स डे विभिन्न देशों में अलग-अलग तारीखों पर मनाया जाता है। भारत में मदर्स डे मई महीने के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इस वर्ष यह 12 मई को मनाया जा रहा है। बच्चे की रचना दरअसल मां की रचना है क्योंकि जैसे ही बच्चा पैदा होता है, स्त्री में एक मां भी पैदा होती है। गर्भावस्था एक खूबसूरत चरण है क्योंकि यह एक मां को वह खुशी और तृप्ति देती है जो एक नए जीवन को दुनिया में लाने से मिलती है। यह सिर्फ महिला शरीर का शारीरिक कायापलट नहीं है, यह एक भावनात्मक परिवर्तन भी है जो उसके जीवन पर स्थाई प्रभाव छोड़ता है और उसके दृष्टिकोण को पूरी तरह से बदल देता है। इन नौ महीनों के दौरान उसमें वह धैर्य, समझ और साहस विकसित होता है जो उसे बच्चे को जन्म देने के लिए चाहिए। हर साल अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस के लिए एक थीम तय की जाती है। पिछले वर्षों की कुछ थीम हैं- मां का प्यार, मां का दिल, मां के हाथ, हर मां जानती है, बेहतर दुनिया के लिए जेंडर संतुलन बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करना। इस वर्ष का थीम है सेलिब्रेटिंग मदरहुड : ए टाइमलेस बांड। यह दिवस मां के साथ मातृत्व, मातृ बंधन और समाज में माताओं के प्रभाव का सम्मान करने वाला एक उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। मां के साथ हर संतान का एक ऐसा बंधन होता है जो अटूट तथा चिरस्थाई है। मां ही ममता, मां ही वात्सल्य, मां ही गुरु, मां ही त्याग है। वह सही मायने में ममता की प्रतिमूर्ति है।

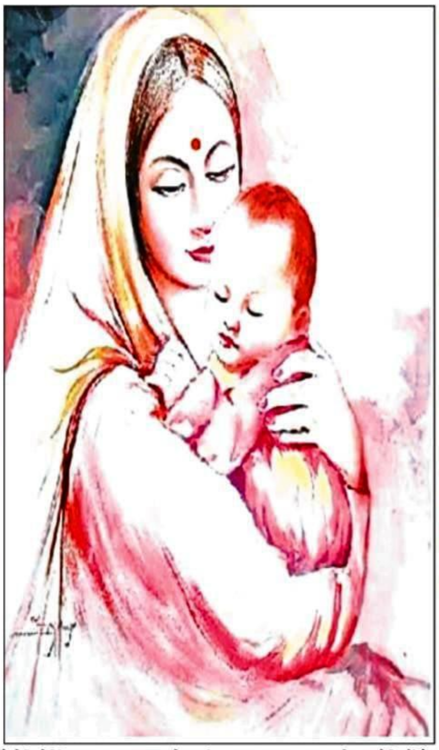

मदर्स डे एक धन्यवाद दिवस है जब बच्चे अपनी मां को दिए गए समर्थन और देखभाल के लिए धन्यवाद देते हैं। मदर्स डे मनाने की शुरुआत सबसे पहले प्राचीन युग में यूनानियों और रोमनों द्वारा की गई थी। हालांकि इसका जश्न ब्रिटेन में मदरिंग संडे के रूप में भी मनाया गया। मातृ दिवस के उत्सव को हर जगह आधुनिक रूप दिया गया है। इसे पुराने तरीकों की तरह नहीं बल्कि आधुनिक तरीकों से मनाया जाता है। यह दुनिया के लगभग 46 देशों में अलग-अलग तारीखों पर मनाया जा रहा है। यह हर किसी के लिए एक बड़ा अवसर है, जब उसे अपनी मां का सम्मान करने का मौका मिलता है। हमें उस इतिहास को धन्यवाद करना चाहिए जो मातृ दिवस की शुरुआत का कारण बना। पहले ग्रीस के प्राचीन लोग वार्षिक वसंत उत्सव के विशेष अवसर पर अपनी मातृ देवियों के प्रति अत्यधिक समर्पित थे। ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार, वे रिया यानी क्रोनस की पत्नी और साथ ही कई देवताओं की मां का सम्मान करने के लिए इस अवसर का जश्न मना रहे थे। प्राचीन रोमन लोग हिलारिया नामक एक वसंत उत्सव भी मनाते थे जो साइबेले नामक एक देवी मां को समर्पित था। उस समय भक्त मंदिर में देवी मां साइबेले के सामने प्रसाद चढ़ाते थे। विभिन्न प्रकार के खेल, परेड और मुखौटे आदि के साथ पूरा उत्सव तीन दिनों तक आयोजित किया गया था। ईसाइयों द्वारा वर्जिन मैरी यानी ईसा मसीह की माता का सम्मान करने के लिए चौथे रविवार को मातृ दिवस मनाया जाता है। मातृ दिवस मनाने का एक और इतिहास इंग्लैंड में 1600 के आसपास का है। ईसाई वर्जिन मैरी की पूजा करते हैं, कुछ उपहार और फूल चढ़ाते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। ऐसे कई हार्दिक संकेत हैं, जो एक मां के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए किए जा सकते हैं और उनका दिन सुखद व खुशनुमा बनाया जा सकता है। यदि आप मां से दूर हैं तो उन्हें एक प्यार भरा पत्र लिखें। उनके लिए पसंदीदा भोजन बनाएं अथवा उनकी पसंद का भोजन उनकी पसंद वाली जगह पर खिलाएं। बचपन में मां आपका टाईम टेबिल बनाया करती थी, अब आप मां का एक रोचक टाईम टेबिल बनाएं। उन्हें किसी अच्छी जगह घुमाने ले जाएं। उन्हें एक विचारशील उपहार भेंट करें। उनके साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताकर उन्हें भरपूर समय दें। उनके प्रति अपने प्यार और आभार को शब्दों में व्यक्त करें क्योंकि मां ही आपको इस दुनिया में लेकर आई है। मां के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। उनका चेकअप व दवाइयों का ख्याल रखें। अब्राहम लिंकन ने कहा था कि मैं जो कुछ भी हूं या होने की आशा करता हूं, उसका श्रेय मैं अपनी देवदूत मां को देता हूं। इस मदर्स डे पर हमें अहसास करना होगा कि हमारी मां में सबकुछ समाया है, उनकी अनुभूति सब जगह है। जीवन का हर लम्हा मां का स्मरण कराता है। स्टीव वंडर ने कहा था- अगर प्यार फूल की तरह मीठा है तो मेरी मां प्यार का वह मीठा फूल है। यदि हम अपना पूरा जीवन भी समर्पित कर दें तो मां के ऋण से उऋण नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में मां के प्रति अथाह श्रद्धा रही है। मां शब्द से ही संपूर्ण सृष्टि का बोध होता है। सभी माताओं को संबोधित करते हुए यह कहना जरूरी है कि अपने स्वत्व से जिस जीवन का निर्माण किया है, वह आपके आंतरिक गुणों की आत्म प्रतिमा है। अपने प्रभाव में वह सर्वोत्तम भावना, सर्वोत्तम संस्कृति, सर्वोत्तम स्वास्थ्य और सर्वोत्तम आध्यात्मिकता का एक विशिष्ट संयोजन बन सकेगा, इसके लिए आपके कृपापूर्ण आशीर्वाद की आवश्यकता बनी रहेगी।

(लेखिका डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति हैं)

प्रबंधन के बहुआयामी क्षेत्रों में विशेषज्ञता मौजूदा समय की मांग

विश्वविद्यालय में पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के रजिस्ट्रेशन शुरू

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के व्यवसाय प्रबंधन विभाग में विभिन्न शाखाओं में प्रबंधन की पढ़ाई प्रारंभ हो चुकी है। इसके लिए प्रवेश रजिस्ट्रेशन भी होने लगे हैं।

विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि प्रबंधन केवल अध्ययन का एक विषय ही नहीं है बल्कि मनुष्य की प्रगति में प्रबंधन का बड़ा योगदान है। बिना समुचित प्रबंधन के किसी भी लक्ष्य को हासिल नहीं किया जा सकता है। बड़े से बड़े उद्योग से लेकर योजना, क्रियान्वयन, निर्माण, संस्थाओं का संचालन, उत्पादन, आपूर्ति, संसाधन, बैंकिंग, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में प्रबंधन की आवश्यकता होती है। आजकल हर क्षेत्र में एक उचित प्रबंधन की आवश्यकता बनी हुई है इसलिए

विभाग का फाइल फोटो। ● नवदुनिया

अध्ययन का यह क्षेत्र असीम संभावनाओं से भरा हुआ है।

उद्योगों के लिए सक्षम और मूल्यवान मानव संसाधन तैयार करना है

विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. वायएस ठाकुर ने बताया कि विभाग का लक्ष्य कम्युनिटी और उद्योगों के लिए सक्षम और मूल्यवान मानव संसाधन तैयार करना है, जो प्रबंधन क्षेत्र में व्यापक योदगान दे सकते हैं। विभाग में अत्याधुनिक एवं सुसज्जित कंप्यूटर लैब, स्मार्ट लैब, खाद्य उत्पादन प्रयोगशाला, एफएनबी सेवा प्रयोगशाला और एक समृद्ध विभागीय पुस्तकालय है। इसके अलावा अनुभवात्मक शिक्षा की सुविधा के लिए विशेष ग्रूमिंग कक्षाएं, मेंटरशिप, स्टूडेंट क्लब, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियां, लीडरशिप प्रोग्राम एवं स्टार्ट अप आइडिया प्रतियोगिता एवं समर्थन एवं प्लेसमेंट ड्राइव जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं।

विवि के केंद्रीय विद्यालय का परीक्षा परिणाम उल्लेखनीयः कुलपति

सागर, देशबन्धु। केंद्रीय विद्यालय क्र.4 डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के सत्र 2023-24 की कक्षा दसवीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। यह केंद्रीय विद्यालय क्र. 4 का प्रथम बैच है तथा सभी विद्यार्थियों ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। विद्यालय की इस सफलता पर विद्यालय की अध्यक्ष, प्रो. नीलिमा गुप्ता कुलपति डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय तथा नामित अध्यक्ष प्रो. पीके कठल ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा विद्यालय के प्राचार्य आरएस वर्मा एवं समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों को इस अवसर पर उनके अथक प्रयास एवं कठोर परिश्रम पर शुभकामनायें तथा बधाइयां दी। विद्यालय की छात्रा प्राची धेकला ने प्रथम, मोहिनी सूर्यवंशी ने द्वितीय तथा लक्ष्य रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

▸ केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 के दसवीं बोर्ड का शत.प्रतिशत परिणाम

वेदांत दर्शन जीवन के लिए उपयोगी : नीलिमा

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विवि के दर्शनशास्त्र विभाग में आदि गुरु शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर भारतीय दार्शनिक दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने आदि शंकराचार्य के वेदान्त दर्शन को जीवन के लिए उपयोगी बताया।

उनके द्वारा भारत की चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना किए जाने के सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। मुख्य वक्ता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने कहा कि आज मानव सभ्यता जिस संकट के दौर से गुजर रही है उसके लिए उसके पीछे का दार्शनिक चिंतन ही जिम्मेदार है। एक धरती एक परिवार और मानवता के साझे भविष्य का दर्शन अद्वैत वेदांत ही हो सकता है। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन अक्षरा सिंघई ने किया। आभार डॉ. सत्यनारायण देवलिया ने माना।

सीयूइटी-यूजी परीक्षा केंद्र का कुलपति ने किया निरीक्षण

परीक्षा का निरीक्षण करती हुई कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता। ● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 की सीयूइटी-यूजी परीक्षाएं बुधवार से शुरू हो गई। विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने परिसर में बनाए गए केंद्रों महर्षि कणाद भवन एवं आचार्य शंकर भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और सुविधाओं का जायजा लिया। दोनों केंद्रों पर विभिन्न विषयों की लगभग दो हजार अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। निरीक्षण के दौरान परीक्षा समन्वयक प्रो. रत्नेश दास, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डा. एसपी गादेवार, डा. केशव टेकाम एवं शिक्षक एवं अधिकारी मौजूद रहे।

वनस्पति विभाग के शोधार्थी अमन राज को मिली पीएचडी उपाधि

सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग के अमन राज को पीएचडी की उपाधि मिली है। अमन राज ने मेटाजीनोमिक एंड मेटाबोलॉमिक इन्वेस्टिगेशन ऑफ बैक्टीरियल मीडिएटेड पेस्टीसाइड डिग्रेडेशन विषय पर अपना शोध कार्य डॉ अश्वनी कुमार एवं प्रो पीके खरे के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। अपने शोध में उन्होंने यह स्पष्ट करने की कोशिश की है कि वैश्विक जनसंख्या, शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण किसानों को अधिक खाद्य पैदा करने की आवश्यकता को कैसे पूरी की जाए। कीटों और जलवायु परिवर्तन से फसलों को खतरा है। कीटनाशकों का उपयोग मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए हानिकारक है, जिससे मिट्टी और पानी प्रदूषित होता है। उन्होंने मिट्टी के सूक्ष्मजीवों की बायोडिग्रेडेशन क्षमता का आकलन किया गया और उनका प्रभावी उपयोग की जांच की। उन्होंने ऐसे फ्रेंडली कीटनाशकों की खोज को आगे बढ़ाया है जो मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं है। बाहरी कीटनाशक न डालकर मिट्टी में ही ऐसे कई तत्वों को विकसित किया जा सकता है जो वनस्पतियों की रक्षा कर सकें और इसका स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़ेगा। इस उपलब्धि पर विभागाध्यक्ष प्रो एमएल खान, विभाग के शिक्षकों सहपाठियों एवं मित्रों ने बधाई प्रेषित की है।

एनटीए ने पहली बार विवि में बनाया परीक्षा केंद्र

सागर। डा हरीसिंह गौर विवि में एनटीए द्वारा पहली बार परिक्षा केंद्र बनाए जाने पर गौर यूथ फोरम के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया है। फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. विवेक तिवारी ने इसके लिए एजेंसी और विवि प्रशासन को धन्यवाद दिया है। साथ ही पूरे सत्र की परीक्षाओं को भी यहीं आयोजित कराने की मांग का प्रस्ताव भेजा है। गौर यूथ फोरम की विवि इकाई ने वर्तमान सत्र में पांचवे सेमेस्टर के परिणाम पर नाराजगी भी जताई है, पुन: मूल्यांकन की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में अक्षत जैन, सत्यम रजक, मोहित प्रताप सिंह, सत्यम राठौर, प्रवीण द्विवेदी, अविनाश शर्मा, विनीत चौरसिया एवं अमन जैन आदि शामिल हैं।

विवि : विश्व संग्रहालय दिवस पर दो दिवसीय प्रर्दशनी आज से लगेगी

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय मानव विज्ञान विभाग, विभागीय संग्रहालय एवं सत्यम कला संस्कृति संग्रहालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्व संग्रहालय दिवस पर छायाचित्र प्रदर्शनी, स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिए भौतिक-अभौतिक संस्कृति पर आधारित मॉडल/पोस्टर प्रतियोगिता एवं अन्य गतिविधियां की जाएंगी। उद्घाटन कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। विशिष्ट अतिथि भूगर्भ विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. एच थॉमस, प्राचीन भारतीय इतिहास, पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे होंगे।

म्यूजियम ज्ञान का यह अद्भुत संसाधन : प्रो. गुप्ता

नवभारत न्यूज

सागर 18 मई. डॉ. हरीसिंह गौर विवि मानव विज्ञान विभाग के तत्त्वावधान में विश्व संग्रहालय दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ.

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि म्यूजियम ज्ञान का एक अद्भुत संसाधन है. प्राचीन समय एवं संस्कृति को सहेजकर रखना एक जटिल कार्य है. मानव विज्ञान, पुरातत्व एवं ज्ञान के ऐसे कई अनुशासन अपने अध्ययन-अध्यापन में संग्रहालय को एक स्रोत के रूप में विकसित करते हैं. इससे हमें अपने इतिहास का बोध तो होता ही है साथ ही शोध के लिए नए आयाम विकसित होते हैं. इस वर्ष इस दिवस की थीम भी यही है कि संग्रहालय को ज्ञान के स्रोत के रूप में कैसे विकसित करें. कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य संयोजक प्रो. अजीत जायसवाल ने दिया. डॉ. अरिबम विजयासुन्दरी ने दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की. कार्यक्रम में विभाग के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. केके एन शर्मा, डॉ. सोनिया कौशल, भगत सिंह मौजूद रहे. दो दिवसीय प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्र-छात्राओं के साथ-साथ सागर शहर के स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी भी आमंत्रित हैं.

ज्ञान के अद्वितीय स्रोत हैं संग्रहालयः कुलपति

विश्व संग्रहालय दिवस पर प्रर्दशनी और प्रतियोगिता का आयोजन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय मानवविज्ञान विभाग के तत्वाधान में विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मानव विज्ञान विभाग तथा सत्यम कला एवं संस्कृति संग्रहालय सागर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया। इस अवसर पर रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट के निदेशक एवं भूगर्भ विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. एच थॉमस, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं और पुरातत्व विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे एवं व्यवहारिक विज्ञान अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो. देवाशीष बोस एवं कार्यक्रम के संयोजक फैकल्टी अफेयर्स निर्देशक एवं मानवविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अजीत जायसवाल मंचासीन थे। उद्घाटन केअवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि म्यूजियम ज्ञान का एक अद्भुत संसाधन है। प्राचीन समय एवं संस्कृति को सहेजकर रखना एक जटिल कार्य है। मानव विज्ञान, पुरातत्व एवं ज्ञान के ऐसे कई अनुशासन अपने अध्ययन-अध्यापन में संग्रहालय को एक स्रोत के रूप में विकसित करते हैं। इससे हमें अपने इतिहास का बोध तो होता ही है साथ ही शोध के लिए नए आयाम विकसित होते है। इस वर्ष इस दिवस की थीम भी यही है कि संग्रहालय को ज्ञान के स्रोत के रूप में कैसे विकसित करें। विवि के पांच विभागों में अद्वितीय संग्रहालय हैं। समय के साथ इनको और अधिक मॉडर्न बनाने की आवश्यकता है। सभी ऐसे विभागों की संयुक्त पहल पर म्यूजियोलॉजी में स्किल बेस्ड सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किये जायेंगे। आने वाले दिनों में सभी संग्रहालयों को आधुनिक बनाने का प्रस्ताव है जिससे विद्यार्थियों के साथ-साथ शोध के प्रति जागरूक शोधकर्ताओं को स्रोत सामग्री आसानी से प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य संयोजक प्रो. अजीत जायसवाल ने दिया। उन्होंने विश्व संग्रहालय दिवस को महत्ता को रेखांकित करते हुए संग्रहालयों की आवश्यकता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। डॉ. अरिबम विजयासुन्दरी ने दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्रों में जनजातीय एवं आदिवासी संस्कृति पर केन्द्रित मॉडल का प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन एवं प्रतियोगिता के रूप में है जिसमें विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

यदि वजन वाले या मोटे हैं तो यह सिर्फ रक्तचाप ही नहीं, स्लीप एपनिया का कारण भी बनता हैः डॉ. शर्मा

कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा उच्च रक्तचाप के प्रति लोगों को जागरुक होना चाहिए

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में विश्व-हाइपरटेंशन दिवस पर एक दिवसीय व्याख्यानमाला मनोविज्ञान विभाग और स्वास्थ्य केंद्र के संयोजन में हुई। व्याख्यान का विषय था- अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें और लंबे समय तक जीवित रहें।

समन्वयक डॉ. जीके तिवारी ने विषय का प्रवर्तन करते हुए कहा कि बहुत से मनोवैज्ञानिक कारक आपके उच्च रक्तचाप के खतरे से आपको बचा सकते हैं। विवि के स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. भूपेंद्र पटेल ने उच्च रक्तचाप के जैविक पक्षों पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा उच्च रक्तचाप का कोई लक्षण नहीं होता लेकिन समय के साथ, यदि इसका इलाज न हो, तो इससे स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयां, जैसे- हृदयरोग और स्ट्रोक आदि हो सकते हैं। इसलिए इसके प्रति लोगों को जागरूक होना चाहिए।

आमंत्रित वक्ता बीएमसी के डॉ. अनुराग जैन ने कहा उच्च रक्तचाप तब होता है जब आपकी धमनियों की दीवारों पर रक्त का दबाव लगातार बहुत अधिक होता है। यह समय के साथ आपकी धमनियों को नुकसान पहुंचाता है और दिल का दौरा और स्ट्रोक जैसी गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है। झारखंड के डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने कहा अपने रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद के लिए खाने में नमक की मात्रा को सीमित करना चाहिए। अधिक वजन होने से उच्च रक्तचाप का खतरा बढ़ जाता है। यदि आप अधिक वजन वाले या मोटे हैं, तो यह सिर्फ रक्तचाप ही नहीं है, स्लीप एपनिया का कारण भी बनता है।

डीन प्रो. दिवाकर राजपूत ने कहा लोगों के तनाव और चुनौतियों के बीच के अनुभवों को समझने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की नीति का पालन करने के लिए इन कारकों पर ध्यान देना जरूरी है। इस मौके पर प्रो. एडी शर्मा, डॉ. शारदा विश्वकर्मा, डॉ. डीएन शर्मा, अर्चना, अनुराग शुक्ल, अमित मकोरिया आदि मौजूद थे।

प्रदर्शनी देखने पहुंचे विद्यार्थी

सागर @पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग व सत्य कला एवं संस्कृति संग्रहालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर दो दिवसीय प्रदर्शनी लगाई।

दूसरे दिन शनिवार को विश्वविद्यालय से संबंध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी देखी और सेल्फी भी ली। इसमें टाइम्स कॉलेज दमोह, पंडित बृजकिशोर पटैरिया महाविद्यालय मालथौन, राजीव लोचानाचार्य महाविद्यालय खुरई व बीटी इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस सागर के लगभग 200 विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी देखी। इस दौरान उन्हें जनजातीय संस्कृति के बारे जानकारी दी।

आयोजन प्रकृति विंब छायाचित्र प्रदर्शनी को देखने पहुंचे कई लोग, प्रतियोगिता का हुआ समापन

जनजातीय जीवन पर आधारित प्रदर्शनी अनमोल धरोहर है

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : मानव विज्ञान विभाग डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में विश्व संग्रहालय दिवस पर संग्रहालय एवं प्रकृति विंब छाया चित्र प्रदर्शनी एवं माडल-पोस्टर प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। समापन के अवसर पर प्रभारी कुलसचिव डा. एसपी उपाध्याय ने कहा कि संग्रहालय की भूमिका आम जन को एक ही स्थान पर विश्व का दर्शन कराने के स्थल की है। संग्रहालय कई ऐसी पुरातात्विक सामग्री से परिचय कराती जो हमें मानव सभ्यता की याद दिलाती है। संग्रहालय में रखी वस्तुएं सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने बताया संग्रहालय द्रिवस का उद्देश्य सीखना, समझना और सांस्कृतिक खोज करना है। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में विधार्थी, शोधार्थी, शिक्षकों द्वारा शिक्षा एवं शोध से जुड़ी गुणवत्तायुक्त शोध परिणाम आ रहे हैं जिससे विश्वविद्यालय ने ए प्लस ग्रेड प्राप्त किया है। मानव विज्ञान विभाग का म्यूजियम एवं जनजातीय जीवन पर आधारित प्रकृति विम्ब छायाचित्र प्रदर्शनी प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक है जो भारत की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराती है।

प्रदर्शनी देखने के लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी व आमजन पहुंचे। ● नवदुनिया

भारत के दुर्लभ जगहों पर जाकर शोध किए हैं : विभागाध्यक्ष प्रो. अजीत जायसवाल ने बताया कि मानव विज्ञान विभाग 1957 से अभी तक लगभग सात दशकों में मानव के जन जीवन से जुड़े उनके शारीरिक, सामाजिक, आर्कियोलोजिकल एवं जेनेटिक विकास के सभी पक्षों का अध्ययन किया है। भारत के दुर्लभ जगहों पर जाकर शोध किए हैं एवं उनके जीवन से जुड़ी भौतिक सामग्री वस्त्र, आभूषण, वाद्य यंत्र, कृषि उपकरण, आवास, शिलालेख के छाया चित्र का वीडियो संग्रह भी किया है। दो दिवस में सैकड़ों विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने अवलोकन किया है। उन्होंने म्यूजियम के विस्तार, सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स संचालित करने के लिए भारत सरकार से अनुदान दिलाने के प्रयास के प्रति आभार एवं धन्यवाद दिया।

हर साल संग्रहालय दिवस मनाया जाता है

इस अवसर पर पधारे जिला पुरातत्व,पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी रूपेश उपाध्याय ने कहा कि जनजातीय जीवन पर आधारित छाया चित्र प्रदर्शनी भारत की अनमोल सांस्कृतिक धरोहर है। दुनिया भर में संग्रहालयों की भूमिका के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल संग्रहालय दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोधर्थियों ने माडल, पोस्टर प्रतियोगिता में बढ चढ कर भाग लिया, जिन्हें प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार दिए गए। प्रथम स्थान भव्या मिश्रा, द्वितीय स्थान अरण्यका अग्निहोत्री एवं शीतल सिंह तथा तृतीय स्थान यंगलम जोशी एवं तनुश्री के समूह को मिला. द्वितीय ग्रुप में आर्यनिका अग्निहोत्री, तनुश्री, रुही दास को, तृतीय ग्रुप में जूही शिरोड एवं जान्हवी चौधरी को पुरस्कार मिले। आकांक्षा सिंह को विशेष पुरस्कार दिया गया। संचालन पार्थ सारथी दत्ता ने किया. स्वागत उदबोधन डा. अरिबम विजयां सुंदरी देवी एवं आभार डा. सोनिया कौशल ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. एनपी सिंह, प्रो. केकेएन शर्मा, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. एच थामस, सचिन सिपोल्या सहित उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के पुरातत्व संग्रहालय में मनाया गया विश्व संग्रहालय दिवस

संस्कृति से परिचित होने के लिए संग्रहालयों की ओर लौटना होगा

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के पुरातत्त्व संग्रहालय में सोमवार को विश्व संग्रहालय दिवस मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को पुरातत्व संग्रहालय में रखी मूर्तियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो.. नागेश दुबे ने कहा कि "संग्रहालयों में संग्रहीत पुरावशेषों से हमें प्राचीन मानव सभ्यता के बारे में पता चलता है। संग्रहालयों में संरक्षित पुरानिधियां हमारे पूर्वजों की जीवन शैली, धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पक्षों को प्रदर्शित करती हैं। पुरातात्त्विक महत्व के संग्रहालयों के अलावा कला, संगीत, अस्त्र शस्त्र, वस्त्र व जनजातीय संस्कृति से संबंधित संग्रहालयों से भी अतीत व वर्तमान जनजीवन की प्रासंगिकता सिद्ध होती है। इसलिए हमें संग्रहालयों की ओर लौटना होगा एवं व्यक्तिगत, संस्थागत एवं राजकीय स्तर पर सहयोग प्रदान कराना होगा।

विवि के विद्यार्थियों के लिए पुरातत्व संग्रहालय में रखी मूर्तियों की जानकारी दी गई।

यहां रखी वस्तुएं सांस्कृतिक गौरव की झलक प्रस्तुत करती हैं : विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. सुरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि विभागीय पुरातत्त्व संग्रहालय में संरक्षित एवं संग्रहीत अनेक पुरानिधियां, पाषाण उपकरण, मृदभाण्ड, मूर्तियां, दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली वस्तुएं, अभिलेख, सिक्के, सिक्के निर्मित करने वाले सांचे, श्रृंगार सामग्री, पाषाण प्रतिमाएं, धातु निर्मित उपकरण आदि हमारे आंचलिक इतिहास एवं संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए सागर एवं मध्य प्रदेश के सांस्कृतिक गौरव की झलक प्रस्तुत करती हैं।

विभाग के शिक्षकों एवं शोध छात्रों द्वारा विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर अपने-अपने उद्बोधनों में संग्रहालय विषय के साथ-साथ पुरातात्त्विक एवं ऐतिहासिक महत्व की पुरानिधियों को संरक्षित करने के संबंध में अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

विद्यार्थियों ने किया भ्रमण : इस अवसर पर प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के स्नातक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने संग्रहालय में भ्रमण कर संग्रहालय में प्रदर्शित प्रतिमाओं एवं पुरावस्तुओं के विषय में जानकारी प्राप्त की व संग्रहालय के महत्व को समझा। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक डा. मशकूर अहमद कादरी, डा. शिवकुमार परोचे, शोध छात्रा एवं छात्र कु. यामिनी योगी, कीरत अहिरवार, आनंद जायसवाल, संजय आठिया, भरत यादव, सोहनलाल मोदनवाल, आदिल खान, मोहन राय, हाशिम कुरैशी, राजेंद्र रजक के साथ-साथ विभागीय छात्र-छात्राऐं उपस्थित थे।

उपलब्धि : बहुविषयक स्टडीज एंड रिसर्च में विवि शीर्ष तीन में शामिल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में हो रहे बहुविषयक शोध व अध्ययन में विश्वविद्यालय की छठवीं रैंकिंग है। वेस्ट जोन के विश्वविद्यालयों में तीसरी रैंकिंग है। इसके अलावा विश्वविद्यालय देश के बहुविषयक शोध व अध्ययन वाले टॉप 30 विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है।

भारत की अंग्रेजी पत्रिका 'द वीक' और प्रसिद्ध शोध संस्था 'हंसा रिसर्च' के साझा सर्वे में यह रैंकिंग मिली है। इस सर्वे में देश के विभिन्न केंद्रीय, राज्य स्तरीय व निजी विश्वविद्यालयों को शामिल करते हुए रैंकिंग का निर्धारण किया गया है। विश्वविद्यालय का पिछले साल का स्कोर 374 था जो अब बढ़कर 414 हो गया है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि हमने पाठ्य संरचना, अध्ययन-अध्यापन व शोध के स्तर पर अभिनव कदम उठाए हैं। ज्ञान के विभिन्न अनुशासन को अध्ययन-अध्यापन की प्रकृति में और अधिक लचीला बनाया है, जिससे विद्यार्थियों व शोधार्थियों से ज्ञान का कोई भी क्षितिज अछूता न रहे। हमारा विश्वविद्यालय लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

देश के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में छठी रैंक, आल इण्डिया में टॉप 30 में शामिल

मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज एंड रिसर्च में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय वेस्ट जोन में शीर्ष तीन में

विजय मत, ब्यूरो, सागर

डॉ . हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है. देश भर के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में हो रहे बहुअनुशासनिक शोध एवं अध्ययन में विश्वविद्यालय की छठवीं रैंकिंग है. जबकि वेस्ट जोन के विश्वविद्यालयों में तीसरी रैंकिंग है. साथ ही विश्वविद्यालय देश भर के बहुअनुशासनिक शोध एवं अध्ययन वाले टॉप 30 विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है. भारत की ख्यातिलब्ध अंग्रेजी पत्रिका 'द वीक' और प्रसिद्ध शोध संस्था 'हंसा रिसर्च' के साझा सर्वे में यह रैंकिंग मिली है. इस सर्वे में देश भर के विभिन्न केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय एवं निजी विश्वविद्यालय शामिल करते हुए रैंकिंग का निर्धारण किया गया है. विश्वविद्यालय का पिछले वर्ष का स्कोर 374 था अब बढ़कर 414 हो गया है।

गौरतलब है कि हाल ही में विश्वविद्यालय को नैक द्वारा ए प्लस ग्रेड हासिल हुआ है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में इंटरडिसिप्लिनरी, मल्टीडिसिप्लिनरी, एबिलिटी इन्हैंसमेंट, स्किल डेवलपमेंट आदि प्रश्नपत्र पाठ्यचर्या में शामिल किये गये हैं. यूजी-पीजी और शोध पाठ्यक्रमों में अन्तरानुशासनिकता और बहुअनुशासिकता को अनिवार्य रूप से सम्मिलित करते हुए प्रोजेक्ट, लघु शोध-प्रबंध और शोध कार्य कराये जा रहे हैं. विश्वविद्यालय में संचालित ओपन इलेक्टिव प्रश्न-पत्र की प्रकृति भी मल्टीडिसिप्लिनरी है. वर्तमान में विज्ञान, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग के शिक्षक डीएसटी, आईसीएसएसआर, एसईआरबी जैसे राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं से प्रदत्त महत्त्वपूर्ण शोध परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं जिनकी इंटरडिसिप्लिनरी और मल्टीडिसिप्लिनरी है. विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान और विज्ञान संकाय जैसे जूलॉजी, बॉटनी, फिजिक्स आदि के विद्यार्थी और शिक्षक कोलैबोरेटिव रिसर्च एवं स्टडी में संलग्न हैं. विश्वविद्यालय में समाज विज्ञान शिक्षण अधिगम केन्द्रों के माध्यम से अनेक गतिविधियाँ संचालित हैं जिनकी प्रकृति बहुअनुशासनिक है. विश्वविद्यालय इन सभी विशेषताओं के कारण विश्वविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए सभी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों और अकादमिक उन्नयन में शामिल विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित है।

डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग: कम खर्चे में पढ़ाई पूरी कर बेहतर रोजगार की भी ज्यादा संभावना

अब हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर, सैटेलाइट, ड्रोन, और स्पेसक्राफ्ट डिजाइन की पढ़ाई

पत्रिका मधुर तिवारी
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू कराई है। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग शुरू होने के बाद यह कहना गलत नही होगा कि अब पिछड़े बुंदेलखंड के बच्चे भी हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर, सैटेलाइट, ड्रोन और स्पेसक्राफ्ट डिजाइन करना सीखेंगे। कुल आठ सेमेस्टर के इस कोर्स का पहला बैच 2027 में निकलेगा। प्रबंधन का कहना है कि सातवें सेमेस्टर से ही कैंपस बुलाना शुरू कर दिया जाएगा और शत-प्रतिशत विद्यार्थियों को प्लेसमेंट देने का प्लान है।

बुंदेलखंड में पहली बार

विश्वविद्यालय के अनुसार देश में प्रतिवर्ष 8-10 हजार एयरोनॉटिकल इंजीनियर स्नातक पास होते हैं। इसमें 60 प्रतिशत इंजीनियर दक्षिण भारत के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के होते हैं। बुंदेलखंड में यह पहली बार है जब विश्वविद्यालय ने इस प्रकार के रोजगार मूलक कोर्स शुरू किए हैं। प्रबंधन के अनुसार एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई अधिकांश प्राइवेट कॉलेजों में ही होती है, जिसमें विद्यार्थियों को मोटी फीस देनी होती है, लेकिन विश्वविद्यालय में यह पढ़ाई कॉलेजों की तुलना में कम खर्चे में हो जाएगी।

क्या है एयरोनॉटिकल इंजीनियर

एक एयरोनॉटिकल इंजीनियर का काम सुरक्षित और फ्यूल एफिशिएंट मशीनों को डिजाइन करना, उन्हें विकसित करना और बनाना जो कि हवा में या स्पेस में उड़ सकें। इसमें हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर, सैटेलाइट, मिसाइल्स, ड्रोन, और स्पेसक्राफ्ट आदि हो सकते हैं।

इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद युवाओं के पास रोजगार के अपार अवसर होंगे। वे कोर्स पूरा कर विमानन और एवियोनिक्स, फ्लाइट मैकेनिक्स, इंजीनियर, एयरक्राफ्ट इंजीनियर, एयरक्राफ्ट प्रोडक्शन मैनेजर, एयर सेफ्टी ऑफिसर आदि के रूप में काम कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रमों की लंबे समय से मांग की जा रही थी। हमने छह स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं जो एआइसीटीई से स्वीकृत हैं और आगे के सत्रों के लिए भी मान्यता मिल चुकी है। सभी पाठ्यक्रम कौशल विकास और रोजगार दोनों दृष्टिकोण से विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे। - **प्रो. नीलिमा गुप्ता,** कुलपति

पीजी की 1806 सीटों पर प्रवेश के लिए काउंसिलिंग 24 को

केंद्रीय विश्वविद्यालयः फॉरेंसिक साइंस के लिए सबसे ज्यादा 600 तो एलएलबी के लिए 500 आवेदन

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की 1806 सीटों पर प्रवेश के लिए पहली काउंसिलिंग 24 मई 2024 को होगी।

प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. दिवाकर शुक्ला ने बताया प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल पर 6500 आवेदकों ने पंजीकरण कराया है। सबसे ज्यादा 600 आवेदन फॉरेंसिक साइंस के लिए प्राप्त हुए। तीन वर्षीय एलएलबी कोर्स के लिए 500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। काउंसिलिंग के लिए विद्यार्थियों को यह सुविधा भी दी गई है कि यदि किसी कारण से आवेदक स्वयं काउंसिलिंग स्थल पर आने में असमर्थ है तो वे मूल दस्तावेजों के साथ अपना प्रतिनिधि भेज सकते हैं। काउंसिलिंग के लिए सुबह 10 बजे संबंधित विभाग में पहुंचकर उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर करना होगा। काउंसिलिंग प्रक्रिया 11 बजे से प्रारंभ होगी।

आवेदकों को सभी दस्तावेजों की मूल प्रति के साथ-साथ एक छाया प्रति भी लानी होगी जो विभाग में जमा होगी। चार फोटो भी लाना होंगे। सभी दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही मेरिट के अनुसार प्रवेश के लिए सीट आवंटित की जाएगी। अलग-अलग पाठ्यक्रम की कटऑफ विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। जिन अभ्यर्थियों का अंतिम सेमेस्टर या उससे एक पूर्व सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम नहीं आया है, वे भी काउंसिलिंग में हिस्सा ले सकते हैं।

संगीत को सीधे मस्तिष्क में अंकित करने से ही सफलता पाई जा सकती है: गोलंदाज

सागर| डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में एल्युमिनी मीट के तहत पूर्व छात्र जितेंद्र गोलंदाज नें विद्यालय स्तर में संगीत से रोजगार के अवसर विषय पर व्याख्यान दिया। वे जवाहर नवोदय विद्यालय, रायसेन-बाड़ी में संगीत शिक्षक के रूप में पदस्थ हैं। उन्होंने कहा इक साधे सब सधे, सब साधे सब जाएं। एक राग की साधना पूरे मनोयोग से करने पर उसकी साधना का प्रतिफल आगे के रागों में भी दिखता जाएगा। संगीत को कागज पर या मोबाइल में अंकित करने की अपेक्षा सीधे मस्तिष्क में अंकित करने से ही सफलता पाई जा सकती है। कार्यक्रम समन्वयक विभाग के प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ. अवधेश प्रताप सिंह तोमर रहे। स्वागत भाषण डॉ. राहुल स्वर्णकार ने दिया। विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक अहिरवार एवं प्लेसमेंट सेल प्रभारी प्रो. जीएल पुणतांबेकर के मार्गदर्शन में कार्यक्रम हुआ। संचालन शोधार्थी आकाश जैन एवं स्तुति खंपरिया ने किया।

केंद्रीय विवि पीजी में प्रवेश के लिए प्रथम काउंसलिंग आज

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विवि में पीजी में शैक्षणिक कोर्स में प्रवेश लेने के लिए प्रथम काउंसलिंग शुक्रवार को आयोजित होगी। प्रवेश प्रकोष्ठ समन्वयक प्रो. दिवाकर शुक्ला ने बताया कि समर्थ पोर्टल पर 6500 से अधिक आवेदकों ने प्रवेश के लिए पंजीकरण कराया है। काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को सुबह 10 बजे संबंधित विभाग में पहुंचकर रजिस्टर में हस्ताक्षर करने होंगे। काउंसलिंग प्रक्रिया 11 बजे से (या उसके बाद) शुरू होगी।

बायोकेमेस्ट्री, जेनेटिक्स और मालिक्यूलर बायोलाजी रिसर्च में डा. हरीसिंह गौर विवि की देश में 32वीं रैंक

नवाचारी शोध कार्यों के चलते देश भर के संस्थानों में टाप 40 में शामिल हुआ विवि

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर को विज्ञान विषयों में देश भर के संस्थानों में उत्कृष्ट रैंक हासिल हुई है। बायोकेमेस्ट्री, जेनेटिक्स और मालिक्यूलर बायोलाजी के शोध में विवि की देश भर में 32 वीं रैंक आई है। वहीं केमेस्ट्री विषय के शोध में 33वीं रैंक है। नवाचारी शोध में ओवरआल पर्सेंटाइल के साथ देश में 40 वां स्थान है।

विवि को यह रैंकिंग शिमागो इंस्टीट्यूशंस आफ रैंकिंग्स 2024 द्वारा किए गए सर्वेक्षण में हासिल हुआ है। गौरतलब है कि शिमागो इंस्टीट्यूट आफ रैंकिंग्स रिसर्च, नवाचार और सामाजिक प्रभावशीलता जैसे तीन मानकों पर किसी भी संस्था की रैंकिंग का निर्धारण करती है। रिसर्च रैंकिंग में साइंटिफिक लीडरशिप, रिसर्च आउटपुट, उच्च गुणवत्तायुक्त पब्लिकेशन तथा इंटरनेशनल कोलैबोरेशन, प्रकाशित जर्नल जैसे मानकों को शामिल किया गया है।

विवि की लैब में शोध करती हुई छात्रा। • नवदुनिया

इनोवेशन में नावाचारी ज्ञान, पेटेंट और तकनीकी प्रभाव जैसे मानकों के जरिए रैंक का निर्धारण किया गया है। विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विवि की इस उपलब्धि के लिए सभी शोधार्थियों, शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि विवि शोध में नावाचारी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। विवि में 8 एडवांस रिसर्च सेंटर संचालित हैं, जिनमें लगातार शोध चलते रहते हैं।

विवि में एलएलबी, एप्लाइड जियोलॉजी, फॉरेंसिक साइंस की पीजी की सीटें फुल

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की 1806 सीटों पर प्रवेश के लिए पहले चरण की काउंसिलिंग पूरी हो गई है। एडमिशन सेल से मिली जानकारी के मुताबिक तीन पाठ्यक्रमों में सभी सीटें फुल हो गईं। इनमें तीन वर्षीय पाठ्यक्रम एलएलबी, एप्लाइड जियोलॉजी एवं फॉरेंसिक साइंस शामिल हैं। अन्य पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रहीं। हालांकि किस पाठ्यक्रम में कितनी सीटें खाली हैं, इसकी जानकारी सोमवार को साफ हो सकेगी। एडमिशन सेल के पास सभी विभागों से जानकारी एकत्र नहीं हो सकी थी। गौरतलब है कि पीजी के पहले चरण की काउंसिलिंग के लिए समर्थ पोर्टल पर 6500 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था। सबसे ज्यादा 600 आवेदन फॉरेंसिक साइंस और 500 आवेदन तीन वर्षीय एलएलबी कोर्स के लिए आए थे। यही वजह रही कि इन दोनों पाठ्यक्रमों की सीटें भी फुल हो गईं। पीजी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में बची हुई खाली सीटों की जानकारी जल्दी ही विवि की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण की काउंसिलिंग जून माह के पहले सप्ताह में कराई जाएगी। इसकी तारीख भी विवि की वेबसाइट पर ही अपलोड की जाएगी।

सामुदायिक कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की ही भांति इस वर्ष भी सात दिवसीय सामुदायिक कार्य का आयोजन 25 से 31 मई तक किया जा रहा हैं। उक्त सात दिवसीय सामुदायिक कार्य में बीएबीएड/ बीएससीबीएड 4 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम अष्टम सेमेस्टर के सभी छात्र-छात्रायें, अध्यापक-अध्यापिकायें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता संबंधी विभिन्न कार्यों को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए विभिन्न गांवो यथा पथरिया जाट, सिरोंजा, बरारू, पटकुई और मेनपानी में संपन्न कर रहे है। सात दिवसीय सामुदायिक कार्य के छठे दिन ग्राम बरारू में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन बरारू ग्राम के पंचायत भवन में आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर विवि के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक जैन द्वारा बरारू ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के पश्चात डॉ. जैन के द्वारा लू से बचने के उपाय चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिए गए। उक्त अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग के सामुदायिक कार्य कार्यक्रम के समंवयक डॉ. अभिषेक कुमार प्रजापति सहित बीएबीएड/ बीएससीबीएड. 4 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम के डॉ. हरीसिंह गौर समूह के सभी 24 सदस्य उपस्थित रहे।

विवि शुरू करेगा ग्रीष्मकाल में समर स्किल कोर्सेस

बैठक में निर्देश देती हुई कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता। ● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विष्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में तीन आनलाइन/आफलाइन नवाचार एवं कौशल विकास कें कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

विवि की कुलपति ने डा. हरीसिंह गौर विवि एवं सागर अंचल के अन्य विद्यार्थियों में रोजगारोन्मुख क्षमता विकास एवं प्रतियोगी परीक्षा दक्षता के लिए कुछ नए कार्यक्रम आरंभ करने की एक 11 सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसका अध्यक्ष भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज को बनाया गया है। प्रथम चरण में कंप्यूटर आधारित माइक्रोसाफ्ट आफिस, वीडियो एडिटिंग, साइबर सिक्युरिटी, नेट बैंकिंग, आर्गनिक फार्मिंग, टैरिस गार्डनिंग, फोटोग्राफी- वीडियोग्राफी के साथ-साथ खेलकूद गतिविधियों संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त द्वितीय चरण में इसी प्रकार के अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जो परास्नातक में अध्ययनरत् हैं, उनके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नईदिल्ली द्वारा आयोजित होने वाली यूजीसी नेट परीक्षा, जिसके माध्यम से जे.आर.एफ. एवं सहायक प्राध्यापक के लिए पात्रता परीक्षा होती है। इसके लिए सारगर्भित मार्गदर्शन की प्रायः कमी रहती है, जिससे विद्यार्थी बेहतर प्रयासों के बाद भी सफल नहीं हो पाते हैं, इस कमी को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय यूजीसी नेट के साथ-साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें उसके लिए भी एक मार्गदर्शी कार्यक्रम बनाया है। कौशल विकास की इन गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय में 3 जून से पंजीयन के लिए लिंक उपलब्ध रहेगी।

नवाचार | **विद्यार्थियों को रोजगार उन्मुख क्षमता विकास एवं प्रतियोगी परीक्षा दक्षता के चलेंगे कार्यक्रम**

केंद्रीय विश्वविद्यालय में समर स्किल कोर्सेस का हुआ शुभारंभ

नवभारत न्यूज

सागर 29 मई. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया. जिसमें 3 आनलाईन ऑफलाईन नवाचार एवं कौशल विकास के कार्यक्रम आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया.

कुलपति ने डॉ. हरीसिंह गौर विवि एवं सागर अंचल के अन्य विद्यार्थियों में रोजगारोन्मुख क्षमता विकास एवं प्रतियोगी परीक्षा दक्षता के लिये कुछ नये कार्यक्रम आरम्भ करने की मंशा से एक 11 सदस्यीय समिति का गठन किया है जिसका अध्यक्ष भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार भारद्वाज को बनाया गया है. कुलपति प्रो. गुप्ता ने ग्रीष्मकालीन समय में अधिकांश शिक्षण संस्थाओं में अवकाश के चलते विद्यार्थियों के पास समय होने के कारण उनके लिये हॉबी, योग्यता संवर्द्धन अथवा रोजगारपरक क्षमता विकास केन्द्रित कौशल विकास के 2 से 4 सप्ताह अवधि के कौशल पाठ्यक्रम आरंभ करने को कहा. नवाचार एवं कौशल विकास के लिए गठित समिति विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले अपने विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के लिए पाठ्यक्रमों के चयन, स्कूली विद्यार्थियों के लिए, जो उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण कर विवि में स्नातक स्तर की शिक्षा के लिए प्रयासरत् हैं. साथ ही ऐसे विद्यार्थी जो उच्च शिक्षा में अध्ययनरत् हैं और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए भी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कैसे तैयारियाँ की जाएं.

समर स्किल कोर्सेस

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, नेट बैंकिग/साइबर सिक्युरिटी प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु ज्ञान सागर कार्यक्रम ऑर्गनिक फार्मिंग एवं टेरेस/किचिन गार्डनिंग चलेंगे. जिनकी पंजीयन तिथि: 3 जून है तथा इनकी कक्षाएं 15 जून से शुरु होंगी.

विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव में छात्र कर रहे लोगों को जागरूक

जागरण, सागर। डॉ.हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के बीए बीएड और बीएससी बीएड के छात्र-छात्राओं के द्वारा सात दिवसीय सामुदायिक कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्राम पथरिया जाट में किया जा रहा है। यह कार्यशाला 25 मई से प्रारंभ हुई थी जिसका गुरुवार को समापन हो गया। कार्यशाला में चौबीस छात्र-छात्राओं द्वारा गांव मे वृक्षारोपण, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा पानी बचाने के तरीकों की जानकारी ग्रामीणों को दी गई एवं गांव को आंगनबाड़ियों में बच्चों को हाथ साफ रखने के उपायों से भी जागरूक किया जा रहा है। कार्यशाला के अंतिम दिन नशा मुक्ति अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। छात्रा सुप्रिया पांडेय ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य समाज की बुराइयों के दूर कर लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण

के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं को भी सेनेटरी संबंधी जानकारी छात्राओं ने दी। टीम लीडर यशवंत पटेल ने कहा कि इस कार्यशाला के तहत हमने गांव में सर्वे भी कराया है जिसके तहत कई जानकारियां मिली हैं। जैसे यहां अभी सड़क, नालियों को लेकर और व्यवस्थाएं जुटाने की जरूरत है। आयोजन में अंजुम बानो, यशवंत झारिया, अभिषेक रैकवार, अर्पित भोजक, दुर्गेश कंवर, यशविनी मेहरा, रामपाल लोधी, रिशु तिवारी, रिया असाटी, समीर पटैल, सोमेश मिश्रा, विकास राव, अभय प्रताप यादव, स्वस्तिका, सोमेश कुमार, राधिका विश्वकर्मा, पूनम लड़िया, गुनगुन, ओंकार बुंदेला, सौभाग्य दुबे और सुरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

केन्द्रीय पुस्तकालय में बायोमेट्रिक मशीन से दर्ज होगी उपस्थिति

जागरण, सागर। डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय में कार्यरत समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति 3 जून 2024 से बायोमेट्रिक मशीन से ली जाएगी। इसके लिए सूचना जारी कर कर्मचारियों से बायोमेट्रिक मशीन में अंगूठे के निशान देने के लिए आवश्यक रूप से उपस्थित होने के निर्देश जारी किए गए हैं। समस्त अधिकारी, कर्मचारियों को बायोमेट्रिक मशीन में

अंगूठा के निशान देने हेतु जवाहरलाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय में 31 मई कार्यालयीन समय में आवश्यक रूप से उपस्थित होना है। विश्वविद्यालय की सभी शाखाओं इकाइयों में बायोमीट्रिक उपस्थिति हेतु मशीनों का इंस्टालेशन चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

सुविधा दूसरे शहरों में नहीं जाना होगा परीक्षा देने, इस परीक्षा में 504 विद्यार्थी होंगे सम्मिलित

यूजीसी ने पहली बार विवि में बनाया नेट का परीक्षा केंद्र

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : सागर अंचल एवं सागर के आस पास के विद्यार्थियों के लिए जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा नेट 2024 के लिए पहली बार डा. हरीसिंह गौर विवि में परीक्षा केंद्र बनाया है। इस केंद्र के बनने से सागर व आसपास के क्षेत्र के विद्यार्थियों को अब परीक्षा देने भोपाल, दिल्ली सहित देश के अन्य स्थानों पर नहीं जाना होगा, जिससे उनके समय व पैसों की बचत भी होगी।

विवि का फाइल फोटो।

दरअसल पीएचडी के लिए नेट परीक्षा अनिवार्य हो गई है। सागर अंचल एवं सागर के आसपास से बड़ी संख्या में विद्यार्थी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जूनियर रिसर्च फैलोशिप (जेआरएफ) व सहायक प्राध्यापक पद के लिए पात्रता के लिए आयोजित नेट (नेंट) परीक्षा में सम्मिलित होते हैं। उनके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सागर के केंद्रीय विवि में विद्यार्थियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए यहां परीक्षा केंद्र की मान्यता प्रदान की है, जिससे अब उन्हें दूसरे शहरों में नहीं जाना होगा।

18 जून को 504 विद्यार्थी होंगे परीक्षा में शामिल

दरअसल शोध कार्य पीएचडी के लिए आगामी सत्र से नेट परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है। ऐसे में यूजीसी नेट परीक्षा की महत्ता और बढ़ गई है। यूजीसी नेट-2024 की परीक्षा 18 जून 2024 को आयोजित होने वाली है। इसलिए अनुदान आयोग ने सागर में भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है। विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में यह परीक्षा संपन्न होगी, जिसमें 504 विद्यार्थी सम्मिलित होंगे।

विद्यार्थियों को मिलेगी राहत

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के प्रयासों से यह परीक्षा केंद्र यूजीसी नेट-2024 की परीक्षा के लिए गठित किया गया है, जिससे इस अंचल के विद्यार्थियों को इस परीक्षा के लिए अन्य शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। कई बार विद्यार्थी दूरी व वर्षा सहित अन्य कारणों से भी परीक्षा देने से वंचित हो जाते थे। अब विद्यार्थियों को अनावश्यक आर्थिक एवं मानसिक रूप से परेशान नहीं होना पड़ेगा और उन्हें अपने शहर में ही सुगमतापूर्वक परीक्षाओं में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हो सकेगा। गौर यूथ फोरम के सदस्यों द्वारा विवि प्रशासन से इसकी मांग की गई थी और इस उपलब्धि पर डा. विवेक तिवारी ने यूजीसी व कुलपति का आभार व्यक्त किया है।